RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 135 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 09-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 वंदे मातरम् के साथ हुआ अन्याय 'तुष्टीकरण की राजनीति' की शुरूआत थी : राजनाथ

6 ड्रग तस्करी के खिलाफ आशा जगाती साझा पहल

7 जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता : राधिका आप्टे

फर्स्ट टेक

स्कूली बच्चों को जूते और मोजे वितरित करने के लिए 111.88 करोड़ रुपए

बेलगावी। यहां स्वर्ण विधानसौधा में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री मधु बंगरप्पा ने कहा कि राज्य के सरकारी एवं सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों को जूते-मोजे वितरित करने के लिए 111.88 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया गया है। विधान परिषद में आज प्रश्नोत्तर काल के दौरान सदस्य जगदेव गुट्टेदार और केशव प्रसाद के तीखे सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि राज्य के सभी जिलों के 44,525 स्कूलों में जूते और मोजे वितरित करने के लिए धनराशि जारी कर दी गई है।

जापान के उत्तरी तट पर 7.2 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

टोक्यो/एपी। जापान के उत्तरी तट पर सोमवार को शक्तिशाली भूकंप का झटका महसूस किया गया है, जिसके मद्देनजर सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि 7.2 तीव्रता का भूकंप आओमोरी और होक्काइडो के तट पर आया। इसने क्षेत्र में तीन मीटर (10 फीट तक) ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की है।

नाइजीरिया में अगवा किए गए 100 स्कूली बच्चे रिहा, कई अभी भी बंधक

मिन्ना (नाइजीरिया)/एपी। नाइजीरिया के 'नाइजीरियन कैथोलिक' स्कूल से पिछले माह अगवा किए गए 100 बच्चों को रिहा कर दिया गया है लेकिन अब भी 100 से ज्यादा छात्र अपहरणकर्ताओं के चंगुल में हैं। 'क्रिश्चियन एसोसिएशन' ने सोमवार को यह जानकारी दी। पापिरी समुदाय के सेंट मैरी कैथोलिक स्कूल में 21 नवंबर को बंदूकधारियों ने हमला किया था और कम से कम 303 स्कूली बच्चों और उनके 12 शिक्षकों को अगवा कर लिया था, हालांकि बाद में अपहरणकर्ताओं के चंगुल से 50 बच्चे भाग निकले थे। ये स्कूल नाइजर राज्य में स्थित है।

'प्रसाद' योजना को नए सिरे से तैयार कर रही है सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को कहा कि वह देश के अलग-अलग राज्यों में तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से 'प्रसाद योजना' को नए सिरे से तैयार कर रही है। संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रश्नकाल में एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि पिछले दस साल में इस योजना के तहत 54 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

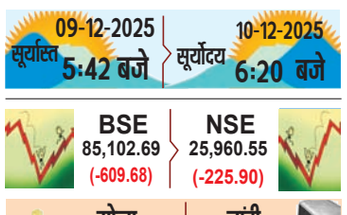

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अगड़े-पिछड़े

कैसे कब तक आ जायेंगे,
सारे पिछड़े सबसे अगड़े।
संभवतः जब तक आएंगे,
होंगे तब अगड़े भी पिछड़े,
अगड़े-पिछड़े के लफड़े में,
होंगे फिर झगड़े ही झगड़े।
इस रगड़े में सबकुछ बिगड़े,
बस नेता दल होंगे तगड़े।।

पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए

मुस्लिम लीग के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे पर झुकी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दावा किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए गए और एक दिन पार्टी को भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा।

मोदी ने सदन में ''राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा'' की शुरुआत करते हुए 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा, ''जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदे मातरम ने देश को खड़ा किया।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में लिखित वंदे मातरम् जब देश की ऊर्जा और प्रेरणा का मंत्र बन रहा था और स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया था, तब मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति और मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में कांग्रेस झुक गई। उन्होंने कहा, ''तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। नेहरू जी मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों पर करारा जवाब देते, मुस्लिम लीग के बयानों की निंदा करते, वंदे मातरम के प्रति खुद की और कांग्रेस पार्टी की निष्ठा को प्रकट करते, उसके बजाय उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्ना के विरोध के पांच दिन बाद ही तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा ''वंदे मातरम की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को इरिटेट (क्षुब्ध) कर सकती है।''

इसके बाद कांग्रेस ने वंदे मातरम् के उपयोग की समीक्षा की घोषणा की जिससे पूरा देश हैरान था।

मोदी ने कहा, ''देशभक्तों ने इस प्रस्ताव के विरोध में देश के कोने कोने में प्रभात फेरियां निकालीं, वंदे मातरम् गीत गाया। लेकिन देश का दुर्भाग्य कि 26 अक्टूबर (1937) को कांग्रेस ने वंदे मातरम् पर समझौता कर लिया।

नेतृत्व परिवर्तन पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का अनुपालन करेंगे : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को दोहराया कि वह राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का अनुपालन करेंगे। मुख्यमंत्री गत कई दिनों से बार-बार कह रहे हैं कि वह और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर पार्टी आलाकमान के निर्णय का अनुपालन करेंगे।

सिद्दरामय्या के बेटे और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) यतींद्र सिद्दरामय्या ने कहा था कि नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है और उनका मानना है कि सिद्दरामय्या पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

इस बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''आलाकमान जो भी फैसला करेगा, उसका पालन करेंगे।'' इससे पहले दिन में यतीन्द्र ने दावा किया था कि कांग्रेस आलाकमान ने कहा है कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा।

यतींद्र ने यहां सुवर्ण विधान सौध में संवाददाताओं से कहा, ''मैं यह कहता रहा हूं, जो नया नहीं है। मुझे लगता है कि फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं है। मुझे उम्मीद है कि वह (सिद्दरामय्या) अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।''

भारत ने अपने नागरिकों से की अपील

चीन की यात्रा करते समय सावधानी बरतें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को अपने नागरिकों को परामर्श दिया कि वे चीन की यात्रा करते समय या किसी अन्य गंतव्य पर जाने के लिए वहां से गुजरते समय उचित सावधानी बरतें।

नई दिल्ली ने अपने नागरिकों को यह परामर्श अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने जाने के दो सप्ताह बाद दिया है। चीन के अधिकारियों ने पारगमन के दौरान उसके भारतीय पासपोर्ट को वैध मानने से इनकार कर दिया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह आश्वासन देंगे कि चीनी हवाई अड्डों से पारगमन के दौरान भारतीय नागरिकों को चुनिंदा रूप से निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा संबंधी नियमों का चीनी पक्ष सम्मान करेगा।''

जायसवाल ने 21 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश की महिला से जुड़ी घटना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही।

जायसवाल ने कहा, ''विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को सलाह देता है कि वे चीन की यात्रा करते समय सावधानी बरतें।''

'उगता सूरज' तमिलनाडु पर फिर से राज करेगा : द्रमुक प्रमुख स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एमके स्टालिन ने सोमवार को दावा किया कि बड़ी संख्या में राजनीतिक विरोधियों और उभरते गठबंधनों के बावजूद 'उगता सूरज' (द्रमुक का चुनाव चिह्न) एक बार फिर राज्य पर शासन करेगा।

स्टालिन ने कहा कि द्रमुक 2026 में द्रविड़ मॉडल 2.0 सरकार बनाएगी। उन्होंने अगले साल प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में जीत के बाद मुख्यमंत्री के रूप में दूसरा कार्यकाल मिलने का भरोसा जताया।

स्टालिन ने पार्टी सदस्यों से लोगों से मिलना जारी रखने और उन्हें द्रमुक सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताने का आह्वान किया।

पार्टी के जिला सचिवों की बैठक को चेन्नई से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, लोगों के समर्थन से हम लोकतंत्र को बचाएंगे... हम द्रविड़ मॉडल 2.0 सरकार बनाएंगे।

स्टालिन ने लोगों के मताधिकार की रक्षा के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद में कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, हमारा काम तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक हम तमिलनाडु के सभी लोगों के मताधिकार की रक्षा नहीं कर लेते। स्टालिन ने कहा कि चाहे कितने भी राजनीतिक विरोधी आ जाएं और चाहे कितने भी गठबंधन बन जाएं, लेकिन 'उगता सूरज' फिर से तमिलनाडु पर शासन करेगा। उन्होंने पार्टी के जिला सचिवों से पूरे राज्य में जारी चुनाव संबंधी कार्यों ('मेरा मतदान केंद्र, विजय केंद्र') के बारे में जानकारी ली।

पान मसाला पर उपकर लगाने वाले विधेयक को संसद ने मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक को सोमवार को मंजूरी दे दी। राज्यसभा में 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा जवाब दिए जाने के बाद इसे ध्वनिमत से लौटा दिया गया। लोकसभा ने इसे पांच दिसंबर को मंजूरी दी थी। राज्यसभा में चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगी। 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। इसके तहत उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाया जाएगा, जिनके माध्यम से उक्त वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है।

उद्घाटन

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार, 8 दिसंबर 2025 को चेन्नई में आयोजित एसडीएटी स्क्रैश वर्ल्ड कप का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

भारत अपने लिए लाभकारी स्रोतों से तेल खरीदने को आजाद : रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा।

अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया।

रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, ''भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा।'' वह पिछले शुक्रवार को नई दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेश्किन ने कहा, ''प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।''

इंडिगो के खिलाफ जांच जारी, एयरलाइन पर कड़ी कार्रवाई करेंगे : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए उदाहरण पेश किया जा सके।

उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए नायडू ने इंडिगो एयरलाइंस को उसके दिन-प्रतिदिन के संचालन के दौरान चालक दल और ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा, हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं। हम एक जांच कर रहे हैं। हम न केवल इस मामले में बल्कि एक मिसाल पेश करने के लिए भी बहुत, बहुत कड़ी कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने पूरक प्रश्न पूछते हुए यह जानना चाहा कि क्या इंडिगो संकट ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में गलती के कारण हुआ था? यह एक तकनीकी समस्या है जिसने नवंबर 2025 की शुरुआत में उड़ान सेवाओं को बाधित किया था। विमानन मंत्री ने स्पष्ट किया कि इंडिगो संकट एएमएसएस से संबंधित नहीं था बल्कि इंडिगो की आंतरिक क्रू रोस्टर प्रणाली में विसंगतियों और कुप्रबंधन के कारण हुआ था।

अप्रैल 2025 के उच्च न्यायालय के आदेश के बाद तैयार किए गये नये उड़ान ड्यूटी समय पाबंदी (एफडीटीएल) दिशानिर्देश की विस्तार से जानकारी देते हुए नायडू ने कहा कि कुल 22 एफडीटीएल दिशानिर्देश थे, जिनमें से 15 को एक जुलाई 2025 से और शेष सात को एक नवंबर 2025 से लागू किया गया।

इंडिगो ने सोमवार को 500 उड़ानें रद्द कीं

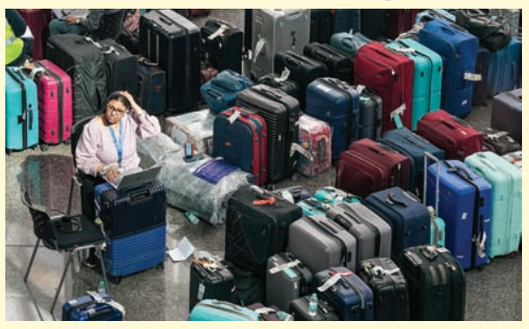

नई दिल्ली/भाषा। परिचालन संकट से जूझ रही घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने सोमवार को 500 उड़ानें रद्द कर दी हैं और उसकी दिन भर में 1,802 उड़ानों के संचालन की योजना है। नागर विमानन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन ने यात्रियों के कुल 9,000 बैग में 4,500 बैग उन्हें वापस कर दिए हैं और बाकी बैग भी अगले 36 घंटों में यात्रियों को सौंप दिए जाएंगे।

मंत्रालय ने कहा, ''आज (सोमवार) इंडिगो 138 में 137 गंतव्यों के लिए 1,802 उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है। उसकी 500 उड़ानें रद्द हुई हैं। साथ ही 9,000 बैग में 4,500 बैग ग्राहकों को सौंप दिए गए। एयरलाइन ने अगले 36 घंटों में बाकी बैग भी सौंपने का लक्ष्य तय किया है।'' मंत्रालय ने यह भी बताया कि एक से सात दिसंबर की अवधि के लिए बुक किए गए 5,86,705 टिकटों के पीएनआर रद्द किए गए और उनका पैसा लौटा दिया गया। इसकी कुल राशि 569.65 करोड़ रुपए है।

तनाव बढ़ने पर थाईलैंड ने कंबोडियाई सीमा पर हवाई हमले शुरू किए

बैंकॉक/एपी। थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गयी थी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अक्टूबर में कराए गए एक संघर्ष विराम समझौते के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई में पांच दिनों तक संघर्ष हुआ था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे।

थाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 50,000 से अधिक लोग सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर आश्रय स्थलों में चले गए हैं तथा माना जा रहा है कि और भी लोग अन्यत्र अपने रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं।

निवेशकों को शिक्षित करने में बाजार के ताजा आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा : सेबी चेयरमैन

मुंबई/भाषा। बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक जल्द ही निवेशकों को शिक्षित करने के लिए बाजार के ताजा आंकड़ों के उपयोग पर रोक के लिए संबंधित नियमों में बदलाव करेगा। सेबी प्रमुख का यह बयान वित्तीय मामलों पर ऑनलाइन सामग्री साझा करने वाले 'इनफ्लुएंसर' अवधूत साठे पर जुर्माना लगाने और उनसे 546 करोड़ रुपए की वसूली का आदेश आने के कुछ दिनों बाद आया है। पांडेय ने कहा कि निवेशकों की शिक्षा से जुड़े नियमों में कोई कमी नहीं है लेकिन इस मामले में केवल समझ की कमी हो सकती है। उन्होंने देश के सबसे बड़े शेयर बाजार एनएसई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, हमारे नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि किसी को भी शेयर खरीद-फरोख्त संबंधी सलाह देने की अनुमति नहीं है। हालांकि सेबी प्रमुख ने यह स्वीकार किया कि शैक्षिक उद्देश्यों के लिए बाजार के ताजा आंकड़ों के उपयोग से संबंधित बाजार नियामक के दो परिपत्रों में तालमेल नहीं है और सेबी जल्द ही इस मुद्दे का समाधान करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शैक्षिक उद्देश्यों के लिए अब केवल बाजार के पुराने आंकड़ों का ही इस्तेमाल होगा और बाजार के अद्यतन स्थिति दर्शाने वाले आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

केजरीवाल ने गुजरात सरकार की आलोचना की, कहा- भाजपा के सत्ता में गिने-चुने दिन बचे हैं

राजकोट/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को बोटाद जिले में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा के बाद जेल भेजे गए किसानों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर गुजरात की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि पार्टी के सत्ता में गिने-चुने दिन बचे हैं। केजरीवाल ने एक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि अक्टूबर में आप के नेतृत्व में हडदड में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने उचित हक की मांग करने पर 88 किसानों को गिरफ्तार किया गया था - जिनमें से 46 अभी भी सलाखों के पीछे हैं। अक्टूबर में बोटाद कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) में कथित अनुचित प्रथाओं के विरोध में आयोजित 'किसान महापंचायत' के दौरान पुलिस के साथ हिंसक झड़प के बाद स्थानीय किसानों और आप नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने यहां एक कार्यक्रम में हडदड के किसानों को सम्मानित किया और कहा कि उन्होंने असाधारण साहस दिखाया है और पूरा देश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य में आप की सरकार आने पर किसानों के खिलाफ दर्ज हर झूठे मामले को वापस ले लिया जाएगा।

हैदराबाद में पूर्व सेना कैप्टन के घर डकैती के आरोप में पांच नेपाली गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में पिछले महीने सेना के एक सेवानिवृत्त कैप्टन के घर में कथित तौर पर घुसकर सोने के गहने और नकदी लूटने वाले नेपाल के पांच नागरिकों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी पुलिस ने दी। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर आयुक्त की टास्क फोर्स ने कारखाना पुलिस थाने की सीमा में 13 सदस्यीय नेपाली गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। डीसीपी (टास्क फोर्स) गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने कहा कि गिरोह ने 15-16 नवंबर की मध्यरात्रि को सेवानिवृत्त कैप्टन को जबरन बंधक बना लिया और सामान लूटने के बाद (लगभग 23 तोला सोने के गहने और 95,000 रुपए नकद) उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपियों के पास से 73.35 ग्राम वजन के सोने के गहने, 22.90 ग्राम वजन के चांदी के गहने, 43,050 रुपए नकद और पांच सेल फोन जब्त किए। गिरफ्तार पांच आरोपियों में से चार सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करते थे। गिरोह के आठ अन्य सदस्य (सभी नेपाल से) फरार हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

विमानन क्षेत्र में एकाधिकार देश के लिए खतरनाक, इंडिगो का दो कंपनियों में हो विभाजन : चव्हाण

मुंबई/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने इंडिगो संकट पर प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को कहा कि विमानन क्षेत्र में बढ़ता एकाधिकार अर्थव्यवस्था के लिए 'गंभीर खतरा' है और यात्रियों के हितों को प्रभावित करता है। उन्होंने मांग की कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए संकटग्रस्त इंडिगो को दो कंपनियों में विभाजित किया जाना चाहिए। चव्हाण ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत में हवाई यात्रा पर अब केवल दो प्रमुख कंपनियों का दबदबा है जिनमें इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है और टाटा समूह (एयर इंडिया और एआई एक्सप्रेस) की बाजार हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने आगाह करते हुए कहा, ''2004 में भारत में 10 विमानन कंपनियां थीं, लेकिन आज केवल दो बड़ी कंपनियां ही बची हैं। लगभग 40 करोड़ यात्री और केवल दो विमानन कंपनी, यह स्थिति भविष्य में और अधिक गंभीर हो जाएगी।'' कांग्रेस नेता ने इंडिगो के मौजूदा संकट को ''दुर्भाग्यपूर्ण और हतप्रभ करने वाला'' करार देते हुए कहा कि यह स्थिति नियामक खामियों और सरकार तथा निजी विमानन कंपनियों के बीच कथित मिलीभगत का परिणाम है। इंडिगो की उड़ानों में गत एक हफ्ते से व्यापक व्यवधान देखा गया है।

महाराष्ट्र विधानमंडल के अगले सत्र में वंदे मातरम पर चर्चा होगी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र विधानमंडल के अगले सत्र में राष्ट्र गीत वंदे मातरम पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि यह जरूरी है कि संसद में वंदे मातरम पर चर्चा हो। उन्होंने कहा, ''वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है, बल्कि यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रवाद का एक मंत्र है। यह वह महामंत्र है, जिसने इस देश के आम आदमी को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा। संसद में इस पर चर्चा होना जरूरी है, क्योंकि राष्ट्रगीत के 150 साल पूरे हो रहे हैं। मुझे बहुत खुशी है कि संसद में इस पर चर्चा हो रही है।''

फडणवीस ने कहा, ''आज हमने भी विधानसभा में वंदे मातरम गाया। हमारे अध्यक्ष ने कहा है कि अगले सत्र में सदन में वंदे मातरम पर चर्चा होगी।'' महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू हुआ।

शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे के भाजपा द्वारा राष्ट्रगीत पर एक प्रतिबंध लगाने संबंधी टिप्पणी को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में, फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस ने ही यह आदेश देकर इसे सीमित कर दिया था कि केवल कुछ अंतरे ही गाये जाएंगे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, ''आदित्य ठाकरे ही हैं, जो रोज कांग्रेस के साथ घूमते हैं। उन्हें (इस मुद्दे पर) भाजपा से नहीं, बल्कि कांग्रेस से सवाल करना चाहिए। भाजपा के शासन में वंदे मातरम को केवल सम्मान मिला है और कोई प्रतिबंध नहीं था।''

संसद में 'वंदे मातरम' पर चर्चा के बारे में बात करते हुए ठाकरे ने यहां संवाददाताओं से कहा था कि भाजपा चुनावी उद्देश्यों के लिए राष्ट्र गीत और 'जय हिंद' जैसे नारों के साथ-साथ हिंदुत्व का भी दुरुपयोग करती है और बाद में उनके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा देती है।

शिवसेना (उबाठा) नेता ठाकरे ने कहा, अगर आप इस साल राज्यसभा की हैंडबुक देखें, तो उन्होंने सदन में 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' कहने पर पाबंदी लगा दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दावा किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के टुकड़े कर दिए गए और एक दिन पार्टी को भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा।

मोदी ने सदन में ''राष्ट्र गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा'' की शुरुआत करते हुए 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्र गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था।

पंजाब, पंजाबियों की प्रतिष्ठा से कभी समझौता नहीं करेंगे: सुखबीर बादल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बादल (पंजाब)/भाषा। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने सोमवार को पार्टी संरक्षक दिवंगत प्रकाश सिंह बादल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें सच्चा राष्ट्रवादी और पंजाब की आवाज बताया। सुखबीर ने संकल्प लिया कि वह पांच बार मुख्यमंत्री रहे अपने पिता (प्रकाश सिंह बादल) के नक्शेकदम पर चलेंगे और पंजाब, पंजाबियों, खालसा पंथ तथा शिरोमणि अकाली दल की प्रतिष्ठा से कभी समझौता नहीं करेंगे।

प्रकाश सिंह बादल की 98वीं जयंती के मौके पर यहां आयोजित अखंड पाठ के समापन के बाद सुखबीर ने कहा, बादल साहब एक सच्चे विकासपुरुष थे, जिन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान राज्य के सभी मुख्यमंत्रियों की तुलना में अधिक काम किया। उन्होंने कहा, अपने चारों ओर देखिए, आपको उनकी (प्रकाश सिंह बादल की) परियोजनाएं नजर आएंगी। उन्होंने अकेले ही नवीन योजनाओं के माध्यम से किसानों और गरीबों की आजीविका में सुधार किया। यही कारण है कि सभी वर्गों और धर्मों के लोग कहते थे कि बादल साहब उनमें से एक थे। सुखबीर ने कहा कि शिअद दिवंगत नेता की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस बाबत वह कोई भी त्याग करने को तैयार हैं। उन्होंने पंजाबियों से इस प्रयास में उनका साथ देने की अपील भी की।

उड़ानें रद्द होना इंडिगो की साख के लिए नकारात्मक, वित्तीय नुकसान भी होगा: मूडीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में व्यापक स्तर पर हुई अव्यवस्था राजस्व हानि के साथ ही उड़ानों के रद्द होने पर संभावित जुर्मानों की वजह से वित्तीय नुकसान का कारण बन सकती है। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एयरलाइन एक साल से अधिक पहले विमानन उद्योग के लिए निर्धारित नियमों के लिए सही योजना नहीं बना पाई, जिसके चलते उसे इस विफलता का सामना करना पड़ा। मूडीज ने एक टिप्पणी में कहा कि ये अव्यवस्थाएं एयरलाइन की साख के लिए भी नकारात्मक हैं। इसमें कहा गया, ''अस्थायी राहत के बावजूद नए विमानन नियमों के लिए प्रभावी योजना न बना पाना एयरलाइन की साख के लिए नकारात्मक है।''

यह अव्यवस्था बेहद व्यस्त शीतकालीन उड़ान सत्र की वजह से और बिगड़ गई। इस बार उड़ानें रद्द होने का सिलसिला दो दिसंबर से शुरू हुआ और एयरलाइन ने पांच दिसंबर को 1,600 से अधिक उड़ानों को रद्द किया। एयरलाइन अभी तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं कर पाई है। सोमवार को भी 500 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं।

कृषि वृद्धि दर 2025-26 में 4% रहने का अनुमान: रमेश चंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में कम यानी चार प्रतिशत रह सकती है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 4.6 प्रतिशत थी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने एक कृषि व्यवसाय सम्मेलन के मौके पर बताया, ''यह (कृषि वृद्धि दर) वित्त वर्ष 2025-26 में चार प्रतिशत के करीब होगी। इस समय कम वृद्धि दर के कारणों का पता लगाना मुश्किल है।'' उन्होंने कहा कि आधार वर्ष की वजह से कृषि वृद्धि दर में उतार-चढ़ाव होता रहता है। पंजाब में बाढ़ का असर सिर्फ एक सीमित क्षेत्र में है, और इससे राज्य की वृद्धि दर में कमी आने की आशंका नहीं है। चंद ने कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 के पहली छमाही में कृषि क्षेत्र के वृद्धि दर के आंकड़ों को देखें तो, दूसरी छमाही सामान्य रहेगा।'' चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कृषि वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2024-25 में कुल कृषि वृद्धि दर 4.63 प्रतिशत तक पहुंच गई। चंद ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत की कृषि वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो चीन के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर से भी आगे है। उन्होंने उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश को विकसित बनने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए कृषि में पांच प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने की ज़रूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि धीमी आबादी वृद्धि के कारण घरेलू खाद्य मांग सालाना सिर्फ 2.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

तेलंगाना का लक्ष्य 2047 तक राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 10% योगदान देना : मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि वह चाहते हैं कि तेलंगाना 2047 तक राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत का योगदान दे।

'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025' में रेड्डी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार चीन में गुआंग्डोंग प्रांत के मॉडल को दोहराना चाहती है, जिसकी अर्थव्यवस्था चीन के किसी भी प्रांत की तुलना में सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार का लक्ष्य तेलंगाना को 2034 तक एक लाख करोड़ डॉलर और 2047 तक तीन लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा, ''हम भारत की आबादी का लगभग 2.9 प्रतिशत हिस्सा हैं, लेकिन राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में लगभग पांच प्रतिशत का योगदान करते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं चाहता हूं कि तेलंगाना 2047 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत का योगदान दे।''

चीन के गुआंग्डोंग प्रांत का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गुआंग्डोंग प्रांत ने 20 से अधिक वर्षों में दुनिया में सबसे अधिक निवेश और वृद्धि हासिल की है। उन्होंने कहा, ''हम उसी मॉडल को तेलंगाना में दोहराना चाहते हैं।''

कारों में जंग-रोधक सुरक्षा के लिए घरेलू, निर्यात बाजारों के बीच समानता लाने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कारों के लिए जंग-रोधक उपायों के मामले में घरेलू और निर्यात बाजारों में बराबरी की जरूरत है। उद्योग विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। इस समय भारत में जो वाहन निर्यात के लिए बनाए जाते हैं, उन्हें घरेलू बाजार में बेची जाने वाली कारों की तुलना में कहीं अधिक मजबूत जंग-रोधक सुरक्षा मिलती है।

विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में बनी और यूरोप, जापान, उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका भेजी जाने वाली कारों में आमतौर पर 70 प्रतिशत या उससे ज्यादा परतदार इस्पात (गैल्वेनाइज्ड स्टील) होता है और इन पर 6-12 साल की जंगरोध की वारंटी होती है। इसके उलट, भारत में बिकने वाली ज्यादातर कारों में बहुत कम परतदार इस्पात (गैल्वेनाइज्ड स्टील) होता है और लगभग कोई जंगरोध की वारंटी नहीं होती।

उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि जंग से देश को हर साल जीडीपी का लगभग पांच प्रतिशत या 100 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होता है। इससे गाड़ियां, आधारभूत ढांचा और औद्योगिक प्रणाली प्रभावित होते हैं।

आम कार मालिकों के लिए कुछ मानसूनों के बीतने के बाद ही इसका असर मरम्मत खर्च बढ़ने, ढांचागत खराबी तेजी से होने और पुनर्बिक्री मूल्य में कमी के रूप में दिखता है।

इस मामले पर इंडिया लीड जिंक डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईएलजेडडीए) के कार्यकारी निदेशक एल पुगाजेंथी ने कहा कि जिंक-लेप वाले इस्पात शीट, कार बॉडी को जंग लगने से बचा सकती हैं। उन्होंने कहा, ''निर्यात की जाने वाली भारतीय कारों में जिंक लेपित स्टील बॉडी होती है। यह फायदा घरेलू कार मालिकों को भी दिया जाना चाहिए। इससे गाड़ी की सुंदरता और नया लुक बना रहेगा।''

'प्रियंका को वंदे मातरम् 'दो टुकड़ों में' लिखे जाने की सूचना कहां से मिली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा के एक दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता यह प्रमाणित करें कि उन्हें वंदे मातरम् ''दो टुकड़ों में'' लिखे जाने की सूचना कहां से मिली।

शेखावत ने निचले सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा द्वारा इस संबंध में दिये गए वक्तव्य का हवाला देते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''उन्होंने (प्रियंका) कहा कि 1875 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने केवल दो अंतरा लिखे थे और सात साल बाद 1882 में उसके बचे हुए पांच अंतरा लिखे थे।'' उन्होंने कांग्रेस सांसद से इसे प्रमाणित करने को कहा कि ''यह सूचना उन्हें कहां से मिली है?''

प्रियंका ने सत्तापक्ष से कहा: नेहरू पर एक बार चर्चा कराइए और फिर यह अध्याय बंद करिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा पर लोकसभा में पलटवार करते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू पर एक बार सदन में विस्तृत चर्चा कराई जाए, ताकि उनपर बार-बार आरोप लगाने का अध्याय हमेशा के लिए बंद हो तथा बेरोजगारी, महंगाई एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा हो सके।

कांग्रेस सांसद ने निचले सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जितने समय से इस पद पर हैं, लगभग उतने ही समय तक नेहरू जेल में रहे। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य ने इस बात पर जोर दिया, ''नेहरू जी इस देश के लिए जिए और देश की सेवा करते-करते उन्होंने दम तोड़ा।'' प्रियंका ने कहा, ''प्रधानमंत्री महोदय 12 साल से इस सदन में हैं, मैं 12 महीनों से हूं। लेकिन एक छोटी सलाह देना चाहती हूं। नेहरू जी से जितनी शिकायतें हैं, जितना अपमान करना है, उसकी सूची बना लीजिए। फिर हम (लोकसभा) अध्यक्ष जी से पूछकर एक समय निर्धारित करते हैं। 10 घंटे, 20 घंटे, 40 घंटे, जितने घंटे में आपकी शिकायतें दूर हो जाए, हम चर्चा कर लेते हैं।'' उन्होंने कहा, ''एक बार हमेशा के लिए यह अध्याय बंद करिए। देश सुन लेगा, आपकी क्या-क्या शिकायते हैं, इंदिरा जी ने क्या किया, राजीव जी ने क्या किया, परिवारवाद क्या होता है, नेहरू जी ने कौन सी गलतियां कीं, सुना लीजिए, फिर खत्म। उसके बाद बेरोजगारी, महंगाई और महिलाओं से जुड़ी समस्याओं...पर चर्चा करेंगे।'' जितने साल से नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, जवाहरलाल नेहरू जी लगभग उतने साल देश के लिए जेल में रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''नेहरू जी ने इसरो नहीं बनाया होता तो मंगलयान नहीं होता, डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) नहीं बनाया होता तो तेजस (हल्का लड़ाकू विमान) नहीं बनता, आईआईटी-आईआईएम नहीं बनवाए होते तो हम आईटी में आगे नहीं होते, एम्स नहीं बनवाते तो कोरोना (महामारी) का सामना कैसे होता। कई सार्वजनिक उपक्रम नहीं बनाए होते तो विकसित भारत कैसे बनता।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तापक्ष वंदे मातरम् पर विवाद खड़ा करके कई महापुरुषों का अपमान कर रहा है। प्रियंका ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और रवींद्रनाथ टैगोर के पत्रों का उल्लेख करते हुए कहा, ''28 अक्टूबर 1937 में कांग्रेस की कार्यसमिति ने अपने प्रस्ताव में 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगीत घोषित किया। दो छंद पर कार्यसमिति की बैठक में महात्मा गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी, पंडित नेहरू जी, आचार्य नरेंद्र देव जी, सरदार पटेल जी, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी ने सहमति जताई।'' उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जब इसी गीत के इन्हीं दो छंद को 1950 में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जी ने संविधान सभा में भारत का राष्ट्रगीत घोषित किया, तो बाबासाहेब अंबेडकर समेत ये महापुरुष भी वहां मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''भाजपा साथियों के नेता श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी मौजूद थे। वहां भी किसी ने कोई आपत्ति जाहिर नहीं की।''

केंद्र ने पिछले 11 वर्ष में अल्पसंख्यकों पर 7,641 करोड़ रुपए खर्च किए : कुरियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बताया कि केंद्र ने सिख समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए कुल 10,225.83 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिसमें से पिछले 11 वर्षों में स्व-रोजगार आय सृजन परियोजनाओं के लिए 7,641 करोड़ रुपए के रियायती ऋण शामिल हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम (एनएमडीएफसी) सिख समुदाय और अन्य अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए योजनाओं को लागू करता है। उच्च सदन में कुरियन ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा, 1994 में अपनी शुरुआत से, एनएमडीएफसी ने अपनी विभिन्न योजनाओं के तहत 10,225.83 करोड़ रुपए वितरित किए हैं, जिनमें से 27.35 लाख परिवारों को कवर किया गया है। उन्होंने कहा, इसमें से, पिछले 11 वर्षों में 7,641 करोड़ रुपए अल्पसंख्यक समुदायों की भलाई के लिए वितरित किए गए हैं, जिनमें सिख समुदाय भी शामिल हैं।'' कुरियन ने यह भी कहा कि भारत सरकार सभी लोगों का ध्यान रख रही है और उसने पाकिस्तान से आए लोगों को 1,073 दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) जारी किए हैं। उन्होंने कहा, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत, 337 नागरिकता भी दी गई है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने एक अन्य प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि उनके मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजीवीके) लागू किया जा रहा है, जिसमें अल्पसंख्यक-बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल, महिला सशक्तीकरण आदि क्षेत्रों में विशेष कदम उठाया जाता है।

दक्षिण रेलवे ने 57 वें अखिल भारतीय रेलवे क्यू स्पोर्ट्स में चैंपियनशिप जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के क्यू स्पोर्ट्स दल ने राष्ट्रीय मंच पर असाधारण प्रदर्शन करते हुए 57वीं अखिल भारतीय रेलवे क्यू स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2025-26 में ओवरऑल चैम्पियनशिप जीत ली है। यह चैम्पियनशिप सेंट्रल रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा सीआरएसए ग्राउंड, परेल, मुंबई में आयोजित की गई थी।

दक्षिण रेलवे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 15-रेड स्नूकर स्पर्धा में पूर्वी रेलवे को फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक जीता और बिलियर्ड्स स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपनी पदक तालिका में इजाफा किया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, टीम ने चैंपियनशिप में ओवरऑल तीसरा स्थान हासिल किया। दक्षिणी रेलवे टीम में पांच समर्पित क्यूइस्ट रफत हबीब (कप्तान), दिलीप कुमार, आर. गिरीश, जी. पीटर पॉल, वसीम अहमद शामिल हैं।

उनके सामूहिक दृढ़ संकल्प, सामरिक खेल और मैचों में निरंतरता ने दक्षिणी रेलवे को पोडियम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय स्तर पर इस मजबूत प्रदर्शन के साथ, दक्षिणी रेलवे को अब अखिल भारतीय पूल चैम्पियनशिप में भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, जो दिसंबर 2025 के दूसरे सप्ताह में चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली है। दक्षिणी रेलवे अपने खिलाड़ियों के बीच खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और पोषित करने का कार्य जारी रखे हुए है, जिससे राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में संगठन को लगातार सम्मान प्राप्त हो रहा है।

दक्षिणी रेलवे ने महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

चेन्नई। 8 दिसम्बर को दक्षिण रेलवे मुख्यालय, चेन्नई में आयोजित समारोह में, दक्षिण रेलवे के अपर महाप्रबंधक, विपिन कुमार ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों/एसोसिएशनों के सदस्यों ने भाग लिया और भारतीय संविधान के निर्माता को श्रद्धांजलि अर्पित की। महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण रेलवे के सभी मंडलों, कारखानों और क्षेत्रीय इकाइयों में इसी प्रकार के समारोह आयोजित किए गए।

तमिलनाडु में छात्र की मौत के बाद द्रमुक को कानून-व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए : अन्नाद्रमुक महासचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने तंजावुर में छात्रों के हिंसक हमले में 12 वीं कक्षा के एक छात्र की मौत पर दुख व्यक्त किया और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से आग्रह किया है कि वे कम से कम अपने शासन के अगले चार महीनों में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करें।

पट्टीश्वरम के एक सरकारी स्कूल में कक्षा 11 के छात्रों द्वारा हिंसक हमला किए जाने के बाद 12 वीं के छात्र की सात दिसंबर को मौत हो जाने की घटना का जिक्र करते हुए विपक्ष के नेता ने कहा कि शिक्षा से छात्रों में सुधार होना चाहिए।

पलानीस्वामी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लेकिन तमिलनाडु में स्टालिन के शासन में हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं...सरकार स्कूल में संघर्ष को रोकने में विफल रही, जिसके कारण हत्या हुई।'' उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों से लेकर व्यापारियों, महिलाओं से लेकर युवाओं तक, राज्य में हर कोई मौजूदा द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन के तहत हिंसा से प्रभावित है। उन्होंने कहा, 'कानून और व्यवस्था के ध्वस्त होने के कारण तमिलनाडु का पूरा विकास बाधित हो रहा है, जबकि मुख्यमंत्री आत्म-प्रचार में डूबे हुए हैं।'' उन्होंने स्टालिन से आग्रह किया कि वह अपने शासन के कम से कम अगले चार महीनों में कानून और व्यवस्था बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करें।' इस घटना में शामिल लगभग 15 छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

भाजपा प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा कि 'यह बेहद चिंताजनक बात है कि हाल के दिनों में स्कूली छात्रों के बीच दुश्मनी और झड़पें बढ़ रही हैं।' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पूर्व में पाठ्यक्रम शिक्षण अच्छे चरित्र, अनुशासन, सम्मान, ईमानदारी और निष्ठा पर केंद्रित था। ये मूल्य सिखाने वाले शिक्षक अपनी ज़िम्मेदारी को पूरी तरह समझते थे और छात्रों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

नारायणन ने आरोप लगाया, ऽऽलेकिन प्रगतिशीलता के नाम पर पाठ्यक्रम बदल दिया गया। आत्म-सम्मान के नाम पर अनुशासन नहीं सिखाया गया और अधिकारों के नाम पर सभी नियम-कायदों की धज्जियां उड़ा दी गईं। शिक्षक भर्ती में लापरवाही, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार, अनियमितताएं और स्कूली शिक्षा विभाग में राजनीतिक हस्तक्षेप ने अगली पीढ़ी को बर्बाद कर दिया है।''

अदालत ने अंबुमणि गुट को प्रतिद्वंद्वी गुट बताया, उन्हें अपनी विश्वसनीयता साबित करनी चाहिए : अरुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काचि (पीएमके) नेता आर अरुल ने सोमवार को दावा किया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले में जिस प्रतिद्वंद्वी गुट का जिक्र किया गया है वह अंबुमणि रामदास गुट का है। अरुल ने यहां एक प्रेस वार्ता में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''जब निर्वाचन आयोग ने अदालत में स्वीकार किया है कि उसने अंबुमणि नीत गुट की मान्यता वापस ले ली है, तो वे कैसे यह दावा कर सकते हैं कि फैसला उनके पक्ष में है।''

उन्होंने कहा कि डॉ. अंबुमणि का पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) से कोई लेना-देना नहीं है। पीएमके की सेलम जिला इकाई के सचिव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इसलिए उन्हें ही यह मामला दीवानी अदालत में ले जाना चाहिए, हमें कहीं जाने की जरूरत नहीं है।

इस पार्टी की स्थापना डॉ. एस रामदास ने की थी और अंबुमणि का इस पर कोई दावा नहीं है।'' पिता और पुत्र के बीच तनाव वर्षों से चला आ रहा था लेकिन गठबंधनों को लेकर मतभेदों के बाद यह और बढ़ गया। 2025 के मध्य तक, दोनों खेमे अलग-अलग बैठकें और आम परिषदें आयोजित कर रहे थे और दोनों ही वैध होने का दावा कर रहे थे, जिससे पारिवारिक कलह नेतृत्व संघर्ष में बदल गई।

डॉ. रामदास ने 29 नवंबर को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर निर्वाचन आयोग की इस घोषणा को चुनौती दी थी कि पार्टी के पदाधिकारियों का कार्यकाल एक अगस्त, 2026 तक वैध है और अंबुमणि तब तक पार्टी के अध्यक्ष हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने चार दिसंबर को याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि वह पीएमके नेतृत्व का फैसला रिट याचिका के माध्यम से नहीं करेगा तथा प्रतिद्वंद्वी गुटों को यह तय करने के लिए सक्षम न्यायालय में जाना होगा कि पार्टी पर किसका नियंत्रण होगा।

प्रेस वार्ता में अरुल ने कहा कि उन्हें जल्द ही चुनाव चिह्न 'आम' मिलेगा और वे आगामी विधानसभा चुनाव इसी के तहत लड़ेंगे। हालांकि निर्वाचन आयोग ने यह भी कहा है कि वह दोनों में से किसी को भी चुनाव चिह्न 'आम' आवंटित नहीं कर सकता। दोनों पक्षों के असली पीएमके होने का दावा करने के बीच चुनाव आयोग ने यह भी घोषणा की है कि विवाद सुलझने तक वह पीएमके से फॉर्म ए' और फॉर्म बी' स्वीकार नहीं करेगा। अरुल ने फार्म ए' और बी' के संबंध में कहा कि वे कानूनी पहलुओं पर विचार कर रहे हैं और जल्द ही कोई निर्णय लेंगे।

पुलिसकर्मी को दांत से काटने के आरोप में टीवीके पदाधिकारी गिरफ्तार

धर्मपुरी। धर्मपुरी जिले में शराब की दुकान को बंद करने की मांग को लेकर पार्टी के प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी को दांत से काटने के आरोप में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के एक पदाधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। जिले के पलाकोड के पास सात दिसंबर को खुली शराब की नयी दुकान के खिलाफ टीवीके के प्रदर्शन के दौरान पार्टी के एक पदाधिकारी ने ड्यूटी पर मौजूद एक पुलिसकर्मी का हाथ पकड़ लिया और उसे दांत से काट लिया। बाद में जेमिनी के रूप में पहचाने गए इस व्यक्ति द्वारा पुलिसकर्मी को दांत से काटे जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अधिकारी ने बताया कि उसे सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस का विरोध करने पर उन चार अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने पुलिस द्वारा रोके जाने पर निर्देशों का उल्लंघन किया था।

केरल की अदालत ने अभिनेत्री के उत्पीड़न मामले में अभिनेता दिलीप को बरी किया, छह लोग दोषी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल की एक अदालत ने 2017 में कोच्चि में एक अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में मलयालम फिल्मों के अभिनेता दिलीप को सोमवार को बरी कर दिया। अदालत ने हालांकि मुख्य आरोपी सुनील एन.एस. उर्फ़ 'पल्सर सुनी' समेत छह अन्य लोगों को दोषी करार दिया। अदालत ने इस मामले में अभिनेता के अलावा तीन अन्य लोगों को भी बरी कर दिया। एर्नाकुलम की प्रधान सत्र न्यायाधीश हनी एम. वर्गीस ने यह फैसला सुनाया। उन्होंने 25 नवंबर को सुनवाई पूरी की थी। इस बीच मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने कहा कि सरकार इस मामले पर अपील दायर करेगी।

सुनील के अलावा जिन लोगों को दोषी ठहराया गया है उनमें मार्टिन एंटनी, मणिकंदन बी., विजेश वी. पी., सलीम एच. और प्रदीप शामिल हैं। ये सभी इस मामले में पहले छह आरोपी है। अदालत इस मामले पर 12 दिसंबर को फिर सुनवाई करेगी, और उसी दिन सजा पर फैसला सुनाया जा सकता है।

तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री का 17 फरवरी 2017 की रात कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया। आरोप है कि उन्होंने जबरदस्ती अभिनेत्री की कार में घुसकर दो घंटे तक कथित रूप से छेड़छाड़ की और बाद में एक व्यस्त इलाके में भाग निकले। मुकदमे का सामना करने वाले दस आरोपियों में सुनील एन.एस. उर्फ 'पल्सर सुनी', मार्टिन एंटनी, मणिकंदन बी, विजेश वी.पी., सलीम एच., प्रदीप, चार्ली थॉमस, अभिनेता दिलीप (असली नाम पी. गोपालकृष्णन), सनिल कुमार उर्फ मेस्थरी सनिल और शरत शामिल थे। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया और अप्रैल 2017 में सात लोगों के खिलाफ पहला आरोपपत्र दायर किया।

जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी सुनी ने कथित तौर पर जेल से दिलीप को एक पत्र भेजा था, जिसके बाद 10 जुलाई 2017 को अभिनेता को गिरफ्तार किया गया। दिलीप को सात अक्टूबर 2017 को जमानत मिल गई थी। इस मामले में बरी किए जाने के बाद अभिनेता दिलीप ने सोमवार को कुछ पुलिस अधिकारियों और मीडिया के एक वर्ग पर आरोप लगाया कि वे अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न के मामले में फंसाने के लिए उनके खिलाफ ''साजिश'' रच रहे हैं ताकि उनका करियर बर्बाद किया जा सके।

दिलीप ने आरोप लगाया कि मामले में आरोपी बनाने के लिए ''असली साजिश'' तो उनके खिलाफ रची गई। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद स्थानीय अदालत द्वारा बरी किए जाने के तुरंत बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''यह मेरे करियर, छवि और जीवन को बर्बाद करने के लिए (ऐसा) किया गया था।'' अपनी पूर्व पत्नी एवं अभिनेत्री मंजू वारियर की आलोचना करते हुए, अभिनेता ने कहा कि उनके खिलाफ पूरी साजिश मंजू के इस बयान से शुरू हुई कि पीड़िता पर हमले के पीछे एक आपराधिक साजिश थी और इसकी जांच होनी चाहिए।

किसी का नाम लिए बिना, अभिनेता ने आरोप लगाया कि एक शीर्ष महिला पुलिस अधिकारी और इस मामले की जांच के लिए उनके द्वारा चुना गया आपराधिक पुलिसकर्मियों का एक समूह उनके खिलाफ काम कर रहा था।

माकपा के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने कहा कि सरकार पीड़ित अभिनेत्री के लिए पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के वास्ते इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर करेगी।

न्यायालय ने वरुणा से सिद्दरामय्या के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर उनसे जवाब मांगा

नई दिल्ली/बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से 2023 के चुनावों में वरुणा विधानसभा क्षेत्र से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब मांगा। इस निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता होने का दावा करने वाले याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में पांच गारंटियों'' का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या जनप्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के तहत ''भ्रष्ट आचरण'' में लिप्त थे।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने के. शंकर नाम के व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सिद्दरामय्या को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। पीठ ने कहा, ''नोटिस जारी करें।''

शंकर ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल के उस आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें वरुणा विधानसभा क्षेत्र से सिद्दरामय्या के निर्वाचन को अमान्य घोषित करने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

सोमवार को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से पूछा, घोषणापत्र जारी करना भ्रष्ट आचरण कैसे हो सकता है? वकील ने कहा कि शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ इसी तरह के मुद्दे को उठाने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के 2013 के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था, हालांकि कानून स्पष्ट है कि चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण' नहीं माना जा सकता, लेकिन इस वास्तविकता से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी भी प्रकार की मुफ्त चीजों का वितरण निस्संदेह सभी लोगों को प्रभावित करता है।

बेंगलूरु, हैदराबाद बेहतर भारत के निर्माण के लिए एक दूसरे का समर्थन कर सकते हैं : डी के शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/हैदराबाद। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि देश के प्रमुख प्रौद्योगिकी केंद्र बेंगलूरु और हैदराबाद प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, लेकिन वे बेहतर भारत के निर्माण के लिए एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। सोमवार को हैदराबाद में शिवकुमार ने राज्य सरकार द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' में बात करते हुए यह भी कहा कि जब दक्षिणी राज्य तेजी से प्रगति करेंगे तो देश और आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि वह सोचते थे कि तेलंगाना बेंगलूरु और कर्नाटक से प्रतिस्पर्धा कर रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

शिवकुमार ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को कार्यालय में दो साल पूरे करने के लिए बधाई दी और कहा कि दुनिया की बराबरी करने के लिए देश की प्रगति को लेकर पूरा दक्षिण उनके साथ खड़ा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, जब हम भारत की प्रौद्योगिकी कहानी के बारे में बात करते हैं, तो बेंगलूरु और हैदराबाद के बारे में बात किए बिना कहानी बताना असंभव है।

इसलिए, आइए हम सब एक साथ जुड़ें। लोगों ने बेंगलूरु और हैदराबाद को प्रतिस्पर्धी के रूप में पेश करने की कोशिश की है। लेकिन, हम प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। हम एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। हम एक-दूसरे को विकसित करते हैं और बेहतर भारत और पूरी दुनिया का निर्माण करते हैं। उन्होंने दिवंगत रतन टाटा का हवाला देते हुए कहा कि अगर किसी को दूर तक चलना है तो साथ चलना होगा। साथ ही उन्होंने बेंगलूरु और हैदराबाद को तेजी से प्रगति करने के लिए मिलकर काम करने का सुझाव दिया।

शिवकुमार ने कहा, दक्षिणी राज्यों में उपलब्ध मानव संसाधनों के चलते कोई अन्य देश भारत का मुकाबला नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कैलिफोर्निया में 13 लाख इंजीनियर काम करते हैं, जबकि बेंगलूरु में 25 लाख इंजीनियर काम करते हैं। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी की उपस्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र देश के भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक समर्थन देगा।

पैसे ऐंठने के लिए अनावश्यक सिजेरियन डिलीवरी करने वाले निजी अस्पतालों पर कार्रवाई की जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि राज्य में पैसा वसूलने के लिए अनावश्यक सिजेरियन प्रसव कराने वाले निजी अस्पतालों के खिलाफ केपीएमई अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को यहां विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान परिषद सदस्य गोविंदा राजू के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्य में ऐसे निजी अस्पतालों की पहचान नहीं की है जो पैसे वसूलने के लिए अनावश्यक सीजेरियन प्रसव कराते हैं। जिला, केपीएमई पंजीकरण एवं शिकायत निवारण प्राधिकरण को अनावश्यक सिजेरियन प्रसव के संबंध में जनता से कोई शिकायत प्राप्त नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि यदि शिकायत प्राप्त होती है तो नियमों का उल्लंघन करने वाले निजी अस्पताल के खिलाफ केपीएमई अधिनियम की धारा 15, खंड 1 के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की जांच करते समय सरकारी और निजी अस्पतालों को नियमों का पालन करना होगा और नियमों का उल्लंघन करने वाले निजी अस्पतालों के खिलाफ केपीएमई अधिनियम की धारा 15, खंड 1 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कन्नड़ हमारे खून में है; कोई भी कन्नड़ माध्यम स्कूल बंद नहीं किया जाएगा : एस मधु बंगारप्पा ने स्पष्ट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री एस मधु बंगारप्पा ने कहा कि वर्ष 2025-26 तक 900 सरकारी स्कूलों को केपीएस स्कूलों में अपग्रेड किया जा रहा है। आने वाले दिनों में, चरणबद्ध तरीके से सभी ग्राम पंचायतों में एक केपीएस स्कूल शुरू करने के लिए कदम उठाए जाएँगे। सोमवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान सदस्य चिदानंद एम गौड़ा द्वारा डॉट मान्यता के मुद्दे पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि कन्नड़ हमारे खून में है और इसलिए हम किसी भी कन्नड़ माध्यम के स्कूल को बंद नहीं करेंगे।

मंत्री ने कहा कि हमने बजट में 500 केपीएस स्कूल शुरू करने की घोषणा की है और वर्ष 2025-26 में, पहले से संचालित 309 केपीएस स्कूलों में प्री-प्राइमरी से लेकर प्री-यूनिवर्सिटी कक्षाओं तक कुल 2,72,464 छात्र कर्नाटक पब्लिक स्कूलों में अध्ययन कर रहे हैं। इन केपीएस स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों के लिए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। शिक्षकों के स्थानांतरण के अनुरोध की प्रक्रिया चल रही है और स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद, अतिरिक्त शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति की प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाकर केपीएस स्कूलों में रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने के लिए कदम उठाए जाएँगे। अच्छी शिक्षा, उज्ज्वल भविष्य, केपीएस स्कूलों का मूलमंत्र है। इस महान उद्देश्य के साथ कि प्रत्येक बच्चा स्कूल जाए और अच्छी तरह से सीखे, 'कर्नाटक पब्लिक स्कूल मानक नियमावली' तैयार की गई है ताकि राज्य के सभी कर्नाटक पब्लिक स्कूल एक समान नीति का पालन करें। उन्होंने कहा कि इसमें निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार, प्रत्येक स्कूल में कम से कम 1200 छात्रों के लिए आवश्यक पर्याप्त शैक्षिक और भौतिक सुविधाएँ प्रदान की जाएँगी और उनका उन्नयन किया जाएगा।

बीजेपी के तरकस में कोई तीर नहीं : बैराती सुरेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सुवर्ण विधानसौधा में शहरी विकास और शहरी प्लानिंग मंत्री बैराती सुरेश ने कहा कि अगर विपक्षी पार्टियां भाजपा और जेडीयू अविश्वास प्रस्ताव लाती हैं तो वे हार जाएंगी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता आर. अशोक ने कहा कि बेलगावी सेशन में हमारी सरकार के खिलाफ कई हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने मज़ाक उड़ाते हुए कहा कि उनकी पार्टी के तरकस में कोई तीर ही नहीं है। भारतीय जनता पार्टी में ही अशोक

गुट, विजयेंद्र गुट, कुमार बंगारप्पा गुट और रमेश जारकीहोली गुट हैं। अशोक को पहले उन गुटों के बीच की लड़ाई को सुलझाना चाहिए। हमारी कांग्रेस पार्टी में कोई गुट नहीं है। उन्होंने साफ किया कि हमारे पास जो कुछ भी है, वह कांग्रेस गुट है।

'दपरे' के बेंगलूरु मंडल ने हाफ मैराथन में बनाया कीर्तिमान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने रविवार को हाफ मैराथन का आयोजन किया। डीएचएएसएच बेंगलूरु हाफ मैराथन एनआईसीई टोलगेट से शुरू हुई, जिसमें वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों सहित 875 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान कर्मचारियों के बीच 'फिटनेस, वेलनेस और पॉजिटिविटी' को बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम में बेंगलूरु मंडल का कर्मचारियों की भलाई के प्रति प्रगतिशील नजरिया दिखाई दिया। इसमें फिजिकल फिटनेस को कार्यस्थल का एक ज़रूरी हिस्सा बताया। यह मंडल कर्मचारियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। अधिकारियों और कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी को मंडल रेलवे प्रबंधक और बेंगलूरु डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने सराहा। उनके प्रोत्साहन की वजह से पूरे मंडल में फिटनेस से जुड़े प्रयासों को आगे बढ़ाने में मदद मिली है। इस कार्यक्रम को एडीआरएम और सभी ब्रांच अधिकारियों से भरपूर सहयोग मिला, जिनकी सक्रिय भागीदारी और प्रेरणा ने कर्मचारियों को बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मैराथन को फिटनेस, टीम वर्क, पर्यावरण जागरूकता और सामूहिक उत्साह को एकसाथ लाने के लिए डिज़ाइन किया गया। इसमें तीन कैटेगरी- 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी थीं। प्रतिभागियों ने ज़बर्दस्त टीम भावना, उत्साह और भाईचारे का प्रदर्शन किया।

न्यायालय ने धर्मांतरण रोधी कानून के खिलाफ दाखिल याचिका पर राजस्थान से जवाब तलब किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान के अवैध धर्मांतरण विरोधी अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 'कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया' द्वारा दायर याचिका को राजथान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम -2025 के विभिन्न प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली अलग-अलग लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न कर दिया। शीर्ष अदालत इससे पहले इसी तरह के मुद्दों को उठाने वाली कुछ अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करने को लेकर सहमति जताई थी और राज्य सरकार से जवाब तलब किया था।

पीठ के समक्ष सोमवार को मामला सुनवाई के लिए आने पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि इसी तरह के मामले उसके समक्ष विचाराधीन हैं। याचिकाकर्ता ने उच्चतम न्यायालय से 2025 के अधिनियम को असंवैधानिक घोषित करने का आग्रह किया है। राजस्थान के इस कानून में धोखे से सामूहिक धर्मांतरण कराने पर 20 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है, जबकि धोखाधड़ी से व्यक्ति का धर्मांतरण कराने पर सात से 14 साल तक के कारावास की सजा का प्रावधान है। अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि धोखे से नाबालिगों, महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और दिव्यांगों का धर्मांतरण कराने पर 10 से 20 साल तक कारावास की सजा और कम से कम 10 लाख रुपये का जुर्माना होगा।

शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ ने सितंबर में विभिन्न राज्यों से उनके धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर रोक लगाने का अनुरोध करने वाली अलग-अलग याचिकाओं पर उनसे रुख स्पष्ट करने को कहा था। उच्चतम न्यायालय ने तब स्पष्ट किया था कि वह जवाब दाखिल होने के बाद ऐसे कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के अनुरोध पर विचार करेगा।

उस समय पीठ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक सहित कई राज्यों द्वारा लागू किए गए धर्मांतरण विरोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार कर रही थी।

दिया कुमारी एवं झाबर सिंह खर्रा ने 'कार्यकर्ता सुनवाई' की

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी तथा शहरी विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सोमवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में 'कार्यकर्ता सुनवाई' की और पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। कुमारी ने बताया कि कई मामलों का मौके पर ही अधिकारियों से दूरभाष पर संवाद कर त्वरित समाधान करने का प्रयास किया गया तथा अन्य अधिकतर विषयों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई शुरु करने का प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का निर्णय सराहनीय है, इससे कार्यकर्ताओं के क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान में तेजी आएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हमारा प्रयास है कि प्रत्येक कार्यकर्ता की समस्या का समाधान किया जाए, क्योंकि पार्टी में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है। दिया कुमारी ने कहा कि गत कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में कार्यकर्ताओं की सुनवाई लगभग बंद रही, जबकि भाजपा सरकार में प्रत्येक मंत्री एवं मुख्यमंत्री नियमित रूप से सप्ताह में दो बार जन एवं कार्यकर्ता सुनवाई कर रहे हैं। खर्रा ने कहा कि आज लगभग 150 कार्यकर्ता अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे और सभी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी समस्या सुनी गई।

प्रवासी राजस्थानी दिवस में आईआईटी हैदराबाद व धनबाद से सहमति पत्र होगा हस्ताक्षरित : टी. रविकान्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रवासी राजस्थान दिवस से खनन क्षेत्र में परस्पर सहयोग से काम करने के दो समझौतों पर हस्ताक्षर के साथ ही राजस्थान का माइनिंग सेक्टर नये युग में प्रवेश करने जा रहा है। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत व डिजिटल इण्डिया में सक्रिय हिस्सेदार बनते हुए राजस्थान में क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक खनिजों के अन्वेषण में आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए माइंस के सेक्टोरल सेशन के दौरान राजस्थान सरकार के आरएसएमईटी और आईआईटी हैदराबाद के बीच सहमति पत्र हस्ताक्षरित करने के साथ ही परस्पर आदान-प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेष में खदान डम्प्स और टेलिंग्स का वैज्ञानिक मूल्यांकन करने के लिए आईआईटी आईएसएम धनबाद और आरएसएमईटी के बीच सहमति पत्र हस्ताक्षरित कर आदान प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री व खानमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज खोज व खनन में अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग और शोध व विकास पर जोर दिया है। उसी के क्रम में आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग तकनीक का खनिज खोज में उपयोग किया जाएगा।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य के 39 जिलों में भूवैज्ञानिक, भूरासायनिक, भूभौतिकीय, रिमोट सेंसिंग व सेटेलाइट इमेजरी डेटासेट को एकीकृत कर प्रदेश में कॉपर, ग्रेफाइट, जिंक, लिथियम, कोबाल्ट, निकल, रेयर अर्थ एलिमेंट आदि महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के संभावित क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इससे प्रदेश में उत्तरदायी खनिज विकास मॉडल तैयार होगा जिससे भविष्य का रोडमैप तैयार हो सकेगा। यह परियोजना आईआईटी हैदराबाद के सहयोग से चार चरण और लगभग 18 माह में पूरी होगी।

रविकान्त ने बताया कि इसी तरह से विभाग द्वारा चिन्हित 80 खदान डम्प्स और टेलिंग्स का वैज्ञानिक मूल्यांकन आईआईटी आईएसएम धनबाद के सहयोग से किया जाएगा। तीन चरणों की एक वर्षीय इस परियोजना में खदान डम्प्स का जियो रेफरेन्सड डेटाबेस, मेपिंग, सेंपलिंग, निष्कर्षण, मिनरालॉजिकल एनालिसिस व उपलब्ध संसाधनों का आकलन किया जाएगा।

सड़क बनाना ही पर्याप्त नहीं, आमजन को सुरक्षित सड़क मार्ग उपलब्ध करवाना भी हमारी जिम्मेदारी : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सड़क आमजन की सुविधा के लिए बनाई जाती है ताकि उन्हें सुगम एवं त्वरित परिवहन मिल सकें। इसलिए सड़कें बनाने के साथ ही उन्हें आमजन के लिए सुरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें सार्थक प्रयास करने होगें और सड़क निर्माण के लिए निर्धारित मानकों का पालन पूर्ण निष्ठा से करवाना होगा। निर्माण भवन में सोमवार को आयोजित रोड सेफ्टी ऑडिट पर सर्टिफिकेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने यह बात कही।

दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के मिशन में इन्फ्रा, कनेक्टिविटी और रोड सेफ्टी प्रमुख स्थान रखते हैं। सड़क सुरक्षा के लिए नियम और गाइडलाईन्स पहले से बनी हुई है लेकिन उनका क्रियान्वयन सही तरीके से नहीं हो रहा है। हम सब को योजनाबद्ध तरीके से ऐसे प्रयास करने होगें कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तभी सार्थक होगा, जब अधिकारी यहाँ से प्राप्त ज्ञान का प्रयोग सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए करेंगे।

भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी (आईएएचआई) द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंताओं के लिए रोड सेफ्टी ऑडिट का 15 दिवसीय सर्टिफिकेशन कार्यक्रम 8 से 23 दिसंबर तक निर्माण भवन में आयोजित किया जा रहा है जिसमें विभाग के 55 अभियंता भाग ले रहे हैं। इसके अन्तर्गत मौजूदा सडकों ओर पुलों की एक चरण में तथा नई सड़कों और पुलों की तीन चरणों (डिजाईन, निर्माण और प्री ओपनिंग स्टेज) पर ऑडिट का प्रशिक्षण दिया जायेगा। गौरतलब है यह प्रशिक्षण रोड सेफ्टी ऑडिट कोर्स विशेषज्ञ टीम द्वारा दिया जा रहा है। इस टीम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एडीजी संजीव कुमार, अधीक्षण अभियंता मनीष असाती, आईटीएस विशेषज्ञ मनोहर मीणा, आईआईटी दिल्ली की प्रोफेसर गीतम तिवारी, एनएचएआई के रोड सेफ्टी एडवाईजर एस के पोपली, परवेज आलम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस कोर्स के बाद प्रशिक्षित अभियंता फील्ड में जाकर रोड सेफ्टी ऑडिट करेंगे। इस दौरान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टीसी गुप्ता ने उद्घाटन सत्र को सम्बोधित किया।

फतेहपुर में पारा 4.4 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का

जयपुर। राजस्थान में सर्दी का दौर जारी है जहां रविवार रात फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र ने यह जानकारी दी। केंद्र के मुताबिक अन्य स्थानों पर बीती रात न्यूनतम तापमान नागौर में 5.0 डिग्री सेल्सियस, बीकानेर के लूणकरणसर में 5.1 डिग्री सेल्सियस, चूरू और अलवर में 6.8 डिग्री सेल्सियस, दौसा में 6.9 डिग्री, करौली में 7.6 डिग्री और पिलानी (झुंझुनू) में 8.3 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य में दूसरी जगहों पर न्यूनतम तापमान आठ से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य में मौसम शुष्क रहेगा।

'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के लिए 8,700 से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण करवाया

जयपुर। जयपुर में 10 दिसंबर को होने वाले पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस के लिए 8,700 से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण करवाया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अधिकारी के अनुसार 10 दिसंबर को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए राजस्थान की राजधानी जयपुर में सजावट और साफ-सफाई के काम किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम को लेकर देश-विदेश से आने वाले प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों में भारी उत्साह है। अब तक 8,700 से अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। अधिकारी ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए राज्य के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक नई नीति भी बनाई गई है। अधिकारी का कहना है कि आयोजन स्थल पर राजस्थान की संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित किया गया है, ताकि प्रवासी राजस्थानी अपनापन महसूस करें और यहां से अच्छी यादें लेकर लौटें।

चित्तौड़गढ़ जिले में सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में कोटा-चित्तौड़गढ़ राजमार्ग पर रविवार रात एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चारों लोग एक घायल दंपति की मदद कर रहे थे तभी एक कार ने उन्हें कुचल दिया। यह घटना चित्तौड़गढ़ के बेगूं इलाके में माडना के पास हुई। उसने बताया कि दंपति शंभूलाल और काली बाई एक वाहन की टक्कर लगने के कारण जमीन पर गिर गए थे और जब पास के ढाबे में मौजूद स्थानीय लोग उनकी मदद के लिए दौड़े तो चित्तौड़गढ़ से आ रही एक कार ने उन लोगों को कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि इस बीच पीछे से आ रही एक अन्य कार पहली कार से टकरा गई, जिससे वह पलट गई।

पुलिस ने बताया कि हेमराज गुर्जर (35) एवं राजेश मीणा (29) की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य फोरूलाल गुर्जर (33) एवं सोनू गुर्जर (40) ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उसने बताया कि ये सभी लोग दंपति की मदद कर रहे थे। इस हादसे में एक कार में सवार तीन लोगों सहित सात अन्य घायल हो गए।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने युवाओं से सजग व जिम्मेदार मतदाता बनने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि एक सचेत मतदाता में स्वयं के कर्तव्य एवं दायित्व का अहसास, राष्ट्र की बुनियादी समस्याओं की समझ, उनके समाधान के संबंध में मौलिक सोच एवं इस हेतु सक्षम सरकार एवं सुयोग्य जनप्रतिनिधि की सुनिश्चित संकल्पना व परिकल्पना होनी चाहिए। राजेश्वर सिंह 'मतदान का अधिकार : जनतंत्र का आधार विषयक युवा विचार गोष्ठी को जे.एल.एन. मार्ग स्थित महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेस एंड सोशल साइंसेज के सेमिनार हॉल में संबोधित कर रहे थे। इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में कनोड़िया महाविद्यालय की छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में मतदान के महत्व तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता के अधिकार कर्तव्य एवं दायित्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि एक जागरूक मतदाता को न केवल मतदान प्रक्रिया में अनिवार्य रूप से हिस्सा लेना चाहिए वरन अन्य मतदाताओं को भी प्रेरित करना चाहिए। उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की नीति, सिद्वान्त कार्यक्रम कार्ययोजना एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत एवं आलोचनात्मक अध्ययन करना चाहिए तथा प्रत्याशियों के व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण, जनप्रतिबद्धता, जनसमस्याओं की समझ, तथ्यात्मक एवं तार्किक प्रस्तुतीकरण की क्षमता, शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक अतीत न होने पर भी ध्यान देना चाहिए।

सिंह ने कहा कि जब तक पंचायतीराज संस्थाएं एवं नगरीय निकाय सशक्त सक्षम एवं प्रभावी नहीं होगे तथा स्थानीय स्तर पर सुयोग्य नेतृत्व का विकास नहीं होगा तब तक राष्ट्र का सर्वोतोमुखी एवं सर्वसमावेशी विकास असंभव है। स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं के सशक्तिकरण से ही लोकतंत्र में आमजनता की सहभागिता सुनिश्चित होगी तथा स्थानीय समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान संभव हो सकेगा। स्थानीय स्वशासन में अनुसूचित जाति, जनजाति पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए प्रतिनिधितत्व में आरक्षण की व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि समाज का कोई भी तबका लोकतांत्रिक प्रकिया में सहभागिता से वंचित न रहे तथा नीति निर्माण एवं नीति क्रियान्वयन में उसकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रियता से भाग लेते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति गहरी रुचि और जिज्ञासा व्यक्त की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कनोडिया महिला पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सीमा अग्रवाल द्वारा की गई तथा समापन राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राजेश वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने महाविद्यालय प्रशासन, विद्यार्थियों और सहयोगी संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोग की कार्यप्रणाली का परिचय सहायक सचिव श्रीमती मनीषा चौधरी द्वारा दिया गया। यह युवा विचार गोष्ठी राज्य निर्वाचन आयोग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेस एंड सोशल साइंसेज, जयपुर एवं कनोडिया महिला पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

दीक्षांत परेड में 'सर्वश्रेष्ठ' का सम्मान : कोमल चौधरी और ममता जांगू ने जीते सबसे अधिक पुरस्कार

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में आज संपन्न हुई 'ऑल वुमेन दीक्षांत परेड' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रशिक्षु महिला कॉन्स्टेबलों और उनके प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान महिला कॉन्स्टेबल कोमल चौधरी ने तीन अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार जीतकर रिकॉर्ड बनाया, जबकि पुलिस निरीक्षक रजनी मीणा और मीना वर्मा को सर्वश्रेष्ठ इंडोर प्रशिक्षक के रूप में सराहा गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं निदेशक आरपीए संजीब कुमार नार्जारी ने बताया कि बैच संख्या 98 में पीटीसी जयपुर की प्रशिक्षु कॉन्स्टेबल सुश्री कोमल चौधरी ऑल राउण्डर, इण्डोर और कंप्यूटर विषय में सर्वश्रेष्ठ, प्रशिक्षु खुशी कुमारी ड्रिल और आउटडोर में सर्वश्रेष्ठ और रोमिका शर्मा फायरिंग में सर्वश्रेष्ठ रही।

नार्जारी ने बताया कि बैच संख्या 99 में भरतपुर जिले की प्रशिक्षु कांस्टेबल ममता जांगू ऑल राउण्डर और इन्डोर में सर्वश्रेष्ठ, झालावाड़ की सुश्री किरण सैन आउटडोर में सर्वश्रेष्ठ, धौलपुर की सुश्री संजना चेतीवाल फायरिंग में सर्वश्रेष्ठ, झालावाड़ की सुश्री लक्ष्मी यादव ड्रिल में सर्वश्रेष्ठ, राजसमंद की सुश्री कनिष्का खटीक कंप्यूटर विषय में सर्वश्रेष्ठ रही।बैच संख्या 98-99 की इन सभी 12 प्रशिक्षु महिला कांस्टेबल को स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। आरपीए के अतिरिक्त निदेशक शंकर दत्त शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षुओं के इस शानदार प्रदर्शन के पीछे राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर के उत्कृष्ट प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन रहा।

राजीविका ग्रामीण उद्यमिता का सशक्त मॉडल : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुरे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सोमवार को सांगानेर के ठीकरिया स्थित राजीविका विकास क्लस्टर लेवल फेडरेशन पहुंचे । उन्होंने कहा कि राजीविका ग्रामीण उद्यमिता का एक सशक्त मॉडल है जिसके माध्यम से महिला आत्मनिर्भर बन अपने परिवार, गाँव और समाज में अपनी अलग पहचान अर्जित कर रही है । उन्होंने ब्लू पॉटरी एवं बगरू प्रिंट से जुड़ी लखपति दीदियों से संवाद कर उनकी आजीविका गतिविधियों के अनुभव जाने । मुख्य सचिव ने राजीविका के सफलता-यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि पहले जहाँ केवल सिलाई यूनिट तक ही आजीविका सीमित थी, वहीं आज महिलाएँ अनेक क्षेत्रों में लखपति दीदी बनकर अपनी अलग पहचान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्थान की स्वयं सहायता समूहों की इन प्रेरणादायक कहानियों को माननीय प्रधानमंत्री महोदय तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य सचिव ने महिलाओं द्वारा निर्मित विविध उत्पादों की विशेष प्रशंसा भी की। साथ ही सेनेटरी नैपकिन यूनिट का अवलोकन किया गया ।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती श्रेया गुहा ने कहा कि आज ग्रामीण महिलाएँ अपने कौशल एवं परिश्रम के बल पर पूर्णतः स्वतंत्र एवं आत्मविश्वासी बन रही हैं। राजीविका प्लेटफॉर्म ने महिलाओं में उद्यमिता को मजबूत आधार प्रदान किया है। श्रीमती गुहा ने बताया कि राजीविका द्वारा कृषि एंव पशुपालन संबधित व्यवसाय को बढ़ावा देने हेतु 'बायर सेलर मीट' का प्रारंभ किया गया है जिससे राजीविका की महिलाए अपने उत्पाद सीधे ही बड़ी कंपनियों को बेच सकेगी उन्होंने आश्वासन दिया 'बायर सेलर मीट' को और व्यापक स्तर पर बढ़ाया जाएगा ।

जयपुर संभागीय आयुक्त श्रीमती पूनम ने निर्देश दिए कि राजस्थली मार्ट की तर्ज पर विभिन्न जिलों में भी महिला उद्यमियों के उत्पादों के लिए स्थानीय मार्ट स्थापित किए जाएँ, ताकि उनके उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके। राजीविका की स्टेट मिशन डायरेक्टर श्रीमती नेहा गिरि ने बताया कि किस प्रकार स्वयं सहायता समूहों (ड्क्ळ्र) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं ने कृषि, उद्यमिता, वित्तीय सेवाओं, कला एवं हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय आत्मनिर्भरता प्राप्त की है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ने एवं राजस्थानी पारंपरिक खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर लखपति दीदी श्रीमती इंदिरा देवी ने मुख्य सचिव से अपनी राजीविका यात्रा साझा करते हुए बताया कि हस्तनिर्मित लकड़ी उत्पाद कार्य कर प्रतिमाह छ10,000 से अधिक की नियमित आमदनी अर्जित कर रही हैं तथा विभिन्न मेलों व प्रदर्शनियों में सक्रिय रूप से भी भाग लेती हैं।

ग्राम पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना से ग्रामीण युवाओं का होगा सशक्तीकरण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्ञान और विकास की नई क्रांति की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना की जाएगी, जिसके माध्यम से ग्रामीण युवाओं को डिजिटल शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और कॅरियर परामर्श जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पहल राज्य सरकार के पिछले दो वर्षों के समर्पित प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें विकास, शिक्षा और युवा सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया गया है।

पिछले दो वर्षों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। सरकार ने युवा प्रोत्साहन, ग्रामीण विकास, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना इसी दिशा में एक और मील का पत्थर है, जो ग्रामीण युवाओं को शहरों के समकक्ष अवसर प्रदान कर राज्य को 'विकसित राजस्थान' की ओर अग्रसर कर रहा है। इन केंद्रों से न केवल शिक्षा का प्रसार होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। इससे शहर और गांव, सम्पन्न और कम संसाधन वाले लोगों के बीच स्थित 'डिजिटल डिवाइड'' समाप्त होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल क्रांति की नींव को सशक्त करने की दिशा में अटल ज्ञान केंद्र राजस्थान सरकार की एक अनूठी पहल है, जो ग्राम पंचायत स्तर पर स्थापित किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के राजग सांसदों से कहा, बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बिहार से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से हाल में संपन्न राज्य विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन की शानदार जीत के बाद लोगों के कल्याण के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को उस समय यह संदेश दिया, जब वे (राजग सांसद) उन्हें (मोदी को) बिहार चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन की भारी जीत की बधाई देने के लिए दिल्ली आए थे। बैठक के बाद शांभवी ने पत्रकारों से कहा, हमने बिहार में शानदार नेतृत्व और प्रचार अभियान के समर्थन के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी तथा उनका आभार जताया,

जिसके कारण हमारे चुनाव अभियान को मजबूत गति मिली थी। प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। शांभवी ने बताया कि मोदी ने सांसदों से बिहार के लोगों के कल्याण के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया, क्योंकि सभी के लिए समावेशी विकास राजग की स्पष्ट प्राथमिकता है, फिर चाहे वे किसी भी वर्ग के हों। शांभवी के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों से कहा कि वे नकारात्मकता, घृणा और झूठ के बजाय प्रगति पर ध्यान केंद्रित करें। सूत्रों के अनुसार, मोदी ने बिहार के राजग सांसदों को याद दिलाया कि उनका असली काम चुनाव के बाद शुरू होता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने गठबंधन के प्रत्येक सहयोगी दल से बातचीत की और बिहार में राजग की जीत के महत्व पर जोर दिया। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए पिछले महीने हुए चुनाव में राजग ने 202 सीट पर जीत दर्ज की, जिससे जनता दल यूनाइटेड प्रमुख नीतीश कुमार के 10वीं बार राज्य का मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। राजग को मिली कुल 202 सीट में से 89 पर भाजपा, 85 पर जदयू, 19 पर लोजपा (रामविलास), पांच पर हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) और चार पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की।

गीता पाठ कार्यक्रम में शामिल नहीं होने पर बोलीं ममता, भाजपा का कार्यक्रम था, मैं कैसे जाती

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को सनातन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित भगवद्गीता पाठ कार्यक्रम में अपनी अनुपस्थिति को सही ठहराते हुए कहा कि उन्होंने इसमें हिस्सा इसलिए नहीं लिया, क्योंकि यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़ा एक कार्यक्रम था। रविवार को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में हुए इस कार्यक्रम में राज्य भर से लाखों लोग जुटे थे। इसे 2026 विधानसभा चुनावों से पहले हिंदू पहचान के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा था।

उत्तर बंगाल के आधिकारिक दौरे पर निकलने से पहले, बनर्जी ने कोलकाता हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, अगर यह एक निष्पक्ष कार्यक्रम होता, तो मैं निश्चित रूप से वहां जाती। मैं एक पार्टी से जुड़ी हूं और एक विचारधारा का अनुसरण करती हूं। मैं सभी धर्मों, जातियों और पंथों का सम्मान करती हूं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं ऐसे कार्यक्रम में कैसे शामिल हो सकती हूं, जिसमें भाजपा सीधे तौर पर शामिल है? मैं उन लोगों के कार्यक्रमों में शामिल नहीं होती, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस से नफरत करते हैं और महात्मा गांधी के आदर्शों का पालन नहीं करते। मेरे बंगाल और मेरे शिक्षकों ने मुझे बनाया है। जो बंगाल का अपमान करते हैं और बांग्ला विरोधी है, मैं उनके साथ नहीं हूं। मुख्यमंत्री और राज्यपाल सी वी आनंद बोस दोनों को निमंत्रण भेजा गया था। राज्यपाल बोस ने कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि बनर्जी अनुपस्थित रहीं।

झारखंड सरकार ने पेश किया 7,721.25 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट

रांची/भाषा। झारखंड सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7,721.25 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट सोमवार को विधानसभा में पेश किया। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने चालू वित्त वर्ष के लिए दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया। इस अनुपूरक बजट में सबसे अधिक 2,082.25 करोड़ रुपए की राशि महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग को देने का प्रस्ताव है। इसके बाद ग्रामीण कार्य विभाग को 1,324.82 करोड़ रुपए और स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग को 729.75 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। किशोर ने विधानसभा के बाहर संवादाताओं से कहा, सरकार मंगलवार को सदन में अपना जवाब देते हुए अनुपूरक बजट के सभी विवरण प्रस्तुत करेगी। हम विपक्ष के सभी सवालों का भी जवाब देंगे। मानसून सत्र के दौरान 25 अगस्त को सदन ने 4,296.62 करोड़ रुपए का पहला अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पारित किया था। किशोर ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.45 लाख करोड़ रुपए का वार्षिक बजट मार्च में पेश किया था। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू हुआ था और यह 11 दिसंबर तक चलेगा। सत्र के दौरान पांच कामकाजी दिवस होंगे।

वंदे मातरम् के साथ हुआ अन्याय 'तुष्टीकरण की राजनीति' की शुरूआत थी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि 'वंदे मातरम्' के साथ हुआ ''अन्याय'' कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि ''तुष्टीकरण की राजनीति'' की शुरूआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया था और ''इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया।''

लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने कहा कि यह सच स्वीकार करना पड़ेगा कि वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आजाद भारत में राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को एक समान दर्जा देने की बात थी, लेकिन (राष्ट्रीय गीत) वंदे मातरम् को ''खंडित'' किया गया।

सिंह ने कहा, ''वह धरती, (बंगाल) जिस पर वंदे मातरम् की रचना हुई, उसी धरती पर कांग्रेस ने इसे खंडित करने का काम किया।'' उन्होंने कहा, ''वंदे मातरम के साथ हुआ अन्याय अलग-थलग घटना नहीं थी, यह तुष्टीकरण की राजनीति की शुरूआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया। इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया।''

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् स्वयं में पूर्ण है लेकिन इसे ''अपूर्ण'' बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इसका गौरव लौटाना ''समय की मांग और नैतिकता का तकाजा'' है।

उन्होंने कहा, ''हम सभी को मिलकर सोचना चाहिए कि क्या संविधान में नया दायित्व नहीं जोड़ा जा सकता कि राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रगीत को सम्मान दिया जाए।''

'प्रधानमंत्री की नीतियों ने सामाजिक न्याय के लाभ को जमीनी स्तर तक पहुंचाया'

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले 11 वर्षों में तैयार की गई नीतियों के कारण सामाजिक न्याय का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंच रहा है। 'सामाजिक न्याय' विषय पर यहां पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि गांव इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण हैं कि पिछले 11 वर्षों में सरकार द्वारा बनाई गई नीतियां किस तरह जमीनी स्तर तक पहुंच रही हैं। मेघवाल ने कहा कि फूस के घरों की जगह अब पक्के मकान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि फूस के अधिकांश घर दलितों के थे और विकास का लाभ उन तक पहुंचा है।

उद्योग जगत अपने प्रत्येक कार्यक्रम में 'वंदे मातरम्' का गान करें : केंद्रीय कृषि मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को उद्योग जगत से आह्वान किया कि वे हर कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का गान करें। उन्होंने यह अपील इस गीत की 150वीं वर्षगांठ पर संसद में शुरू हुई चर्चा के बीच की है।

चौहान ने उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई द्वारा आयोजित कृषि-व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''आज वंदे मातरम् पूरा नहीं गाया जाता। इसे पूरा गाने में क्या समस्या है।'' उन्होंने कहा कि यह गीत प्रेरणादायक है और मातृभूमि के प्रति सभी की भावनाओं को जागृत करता है। चौहान ने सवाल किया, ''मैं आप सभी से पूछना चाहता हूं कि इसे गाने में क्या गलत है? मैं आह्वान करता हूं कि जब भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित हों, तो कार्यक्रम शुरू होने से पहले वंदे मातरम् गाया जाए।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित चर्चा की शुरुआत की। राज्यसभा में इस विषय पर मंगलवार को चर्चा होगी। चौहान ने कृषि क्षेत्र के बारे में कहा कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और मोदी सरकार ने किसानों को बेहतर लाभ सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह उपलब्धि लागत बढ़ने के बावजूद हासिल की गई है। चौहान ने दो प्रमुख मुद्दों को रेखांकित किया जिनपर ध्यान देने की आवश्यकता है।

देवी दुर्गा का उल्लेख राष्ट्रीय गीत से क्यों हटा दिया गया: तेदेपा सांसद

नई दिल्ली/भाषा। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) की एक सांसद ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर परोक्ष रूप से प्रहार करते हुए कहा कि जिस राज्य में वंदे मातरम् की रचना हुई, उसकी सरकार कांग्रेस से यह सवाल नहीं पूछती कि राष्ट्रीय गीत से देवी दुर्गा का उल्लेख और 'कमला' जैसे शब्द क्यों हटा दिये गए।

तेदेपा की बी बायरेड्डी शबरी ने लोकसभा में वंदे मातरम् पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि 'मैकाले मानसिकता' ने ''हमारे इतिहास के महान लोगों के नाम पाठ्य पुस्तकों से मिटा दिये।'' शबरी ने बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का नाम लिये बिना कहा, ''जिस राज्य में इसकी रचना हुई, जो राज्य खुद को दुर्गा मां की मातृभूमि बताता है, जहां दुर्गा पूजा हर दिन की जाती है, वे कांग्रेस से कभी सवाल नहीं पूछते कि 'दुर्गा दशप्रहरधारिणी' और 'कमला' जैसे शब्द वंदे मातरम् गीत से क्यों हटा दिये गए?''

अखिलेश यादव मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे: ब्रजेश पाठक

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव को दिगभ्रमित करार देते हुए आरोप लगाया कि वह मुस्लिम तुष्टिकरण और वोट की वजह से तरह-तरह की अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। पाठक ने सोमवार को जिला मुख्यालय के वीर लॉरिक स्टेडियम में 69 वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन करने के उपरांत संवाददाताओं से बातचीत में सपा मुखिया पर यह आरोप लगाते हुए कहा कि यादव और कांग्रेस एक बार अपने गिरेबान में झांक कर देख लें। उन्होंने कहा, ''यादव पूरी तरह से दिगभ्रमित हैं। वन्देमातरम का सम्मान देशवासी अपने मन की गहराइयों से करते हैं।'' पाठक ने कहा , देश पर आपातकाल थोपने वाले (कांग्रेस) लोगों के साथ गलबहियां कर अखिलेश यादव चल रहे हैं। समय आने पर उत्तर प्रदेश की जनता जरूर इसका इनको जवाब देगी।

हमें वंदे मातरम् से 'एनर्जी' मिलती है, कांग्रेस को इससे 'एलर्जी' होती है: अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वंदे मातरम से ''हमें एनर्जी'' मिलती है, वहीं विपक्षी दल को इससे ''एलर्जी'' होती है।

लोकसभा में, ''राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा'' में भाग लेते हुए ठाकुर ने कहा, ''कांग्रेस ने वंदे मातरम् के शताब्दी वर्ष पर आपातकाल लगाकर देश को अंधेरे में पहुंचाया। यह काम उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया और आज स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को देश के सामने रखा।'' उन्होंने चर्चा की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के दौरान, सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के अनुपस्थित रहने का जिक्र करते हुए कहा, ''वंदे मातरम् गीत नहीं राष्ट्रीय प्रीत है इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है। जब चर्चा शुरू हुई तो उस परिवार के दो सदस्य सदन में ही उपस्थित नहीं थे जिसे दशकों तक नेतृत्व का मौका मिला।'' ठाकुर ने सदन में प्रियंका गांधी वाद्रा के भाषण से पहले उन पर निशाना साधते हुए कहा, ''अभी गलियारों में चर्चा थी कि पिछले पांच दिन से प्रियंका जी तैयारी कर रही हैं और पूरा वंदे मातरम् बिना पढ़े सुनाएंगी। उन्होंने इतने महापाप किए हैं कि उनके प्रायश्चित का समय आ गया है।'' भाजपा सांसद ने दावा किया कि नेहरू के कहने पर वंदे मातरम् के जो हिस्से काटे गए थे, उनमें देवी दुर्गा की स्तुति थी, शक्ति की अराधना थी। उन्होंने कहा, ''वंदे मातरम् से हमें एनर्जी मिलती है, कुछ लोगों को (कांग्रेस को) इससे एलर्जी होती है।'' ठाकुर ने पूछा कि कांग्रेस आखिर इसका इतना विरोध क्यों कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की तरह समाजवादी पार्टी के कुछ जनप्रतिनिधियों ने भी राष्ट्रीय गीत का अपमान किया।

वंदे मातरम् सिर्फ गाने के लिए नहीं, निभाने के लिए भी होना चाहिए : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम्' सिर्फ गाने के लिए नहीं, बल्कि निभाने के लिए भी होना चाहिए, लेकिन आज के ''दरारवादी'' लोग इसी के जरिये देश को तोड़ना चाहते हैं।

अखिलेश ने लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान में सत्ता पक्ष के लोग हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं। सपा सांसद ने कहा, ''हमारे सत्ता पक्ष के लोग हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं...जो महापुरुष उनके नहीं हैं, या जो चीज उनकी नहीं है, उन्हें भी अपनाना चाहते हैं।'' अखिलेश ने कहा, ''वंदे मातरम् सिर्फ गाने के लिए नहीं है, निभाने के लिए भी होना चाहिए। सत्ता पक्ष के लोग आकलन करें कि हम इसे कितना निभा रहे हैं। आज के 'दरारवादी' लोग उसी के जरिये देश को तोड़ना चाहते हैं। ऐसे लोगों ने पहले भी देश के साथ दगा किया है, आज भी (दगा) कर रहे हैं।'' उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के गठन के समय उनके जो अध्यक्ष चुने गऐ थे, उन्हें जो भाषण देना था उस पर इस बात को लेकर बहस चली थी कि ''भाजपा धर्मनिरपेक्ष समाजवाद के रास्ते पर जाएगी कि नहीं।'' सपा सांसद ने निशाना साधते हुए कहा कि वंदे मातरम् कोई दिखावा, या राजनीति का विषय नहीं है, लेकिन ''ऐसा लगता है कि वंदे मातरम् इन्हीं (सत्तापक्ष) का बनवाया हुआ है।''

बिहार में 'ट्रैफिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर' स्थापित किये जायेंगे : सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को प्रमुख रेलवे जंक्शनों, व्यस्त चौराहों और जामग्रस्त क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए 'ट्रैफिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर' स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों, पंचायत और शहरी क्षेत्रों में यातायात नियमों के प्रति व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। चौधरी ने कहा कि राज्य में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बिहारवासियों को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने और सरल-सुगम यातायात प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए हर स्तर पर सख्त और प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने राज्य की यातायात व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए कई निर्देश दिये। उन्होंने राज्य में यातायात प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने को कहा ताकि यातायात प्रबंधन में पुलिस कर्मियों की दक्षता बढ़ सके। उपमुख्यमंत्री ने यातायात पुलिस के विस्तार की आवश्यकता पर भी बल दिया।

बिहार में औद्योगिक विकास को गति देने और रोजगार सृजन पर मुख्यमंत्री नीतीश का जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बक्सर जिले के नवानगर औद्योगिक क्षेत्र में विकसित किए जा रहे विशेष आर्थिक क्षेत्र(एसईजेड) का निरीक्षण किया और अधिकारियों को राज्य में औद्योगिक विकास को और गति देकर अधिक-से-अधिक रोजगार सृजित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने नवानगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित वरुण बेवरेज लिमिटेड के पेप्सिको बॉटलिंग संयंत्र एवं ड्रिंकिंग वाटर बॉटलिंग संयंत्र का भी जायजा लिया। उन्होंने गुणवत्ता प्रयोगशाला सहित विभिन्न उत्पादन प्रक्रियाओं का निरीक्षण किया।

उसके बाद मुख्यमंत्री ने भारत प्लस एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड के संयंत्र का भी निरीक्षण किया। कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें उपलब्ध कराई गई भूमि, कर्मचारियों की संख्या, निवेश, तैयार उत्पादों के बाजार और बुनियादी सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने एसएलएमजी बेवरेज लिमिटेड के कोका-कोला संयंत्र और वाटर बॉटलिंग इकाई का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शीतल पेय उत्पादन प्रक्रिया, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, माइक्रो लैब और लेबोरेटरी की कार्यप्रणाली देखी। अधिकारियों ने भूमि आवंटन, निवेश, बाजार उपलब्धता तथा स्थानीय लोगों को मिल रहे रोजगार के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

नीतीश कुमार ने प्रस्तावित 125 एकड़ भूमि पर विकसित किए जा रहे एसईजेड की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने उद्योग विभाग की कार्ययोजना, सड़क, बिजली, जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास और क्षेत्र में चल रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नवानगर औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार तेज गति से किया जाए, ताकि अधिक निवेश आकर्षित हो और रोजगार के नए अवसर पैदा हों।

सत्तारूढ़ भाजपा को बंगाल की धरती कभी मौका नहीं देगी : महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने सोमवार को सरकार पर पश्चिम बंगाल चुनाव को ध्यान में रखकर लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा को बंगाल की धरती कभी मौका नहीं देगी। मोइत्रा ने सदन में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर चर्चा' में भाग लेते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''आईटी प्रकोष्ठ के कुछ लोगों ने सुझाया होगा कि वंदे मातरम् की बात करने से आपको बंगाल चुनाव में लाभ होगा। लेकिन हमें खुशी है कि यह मौका आपको याद दिलाएगा कि बंगाल की धरती आपको मौका नहीं देने वाली।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रगीत में 'सुजलाम, सुफलाम, मलयज शीतलाम' को उद्धृत करते हुए कहा, ''राष्ट्रगीत में सुजलाम का उल्लेख है कि लेकिन देश में आज पानी पीने लायक नहीं है। राज्यों की जलजीवन मिशन की राशि काटी जा रही है। इसमें मलयज शीतलाम यानी शुद्ध शीतल हवा का उल्लेख है, लेकिन आज हवा जहरीली है। पर्यावरण मंत्रालय ने प्रदूषण कोष का एक प्रतिशत से भी कम खर्च किया है।''

हार्दिक के शुरुआती ओवर डालने से हमें काफी विकल्प मिलते हैं : सूर्यकुमार यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भाषा। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि हरफनमौला हार्दिक पांड्या की वापसी से टीम एशिया कप में सफलता दिलाने वाली वाली रणनीति और संतुलन को फिर से हासिल कर सकेगी। भारतीय टीम मंगलवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में हिस्सा लेगी।

तेज गेंदबाजी के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाले हार्दिक बाएं हाथ के अंगूठे में चोट के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने चोट से उबरने के बाद हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की और शानदार लय में हैं। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी समय पर वापसी ने टीम में विकल्प को बढावा दिया है और इससे टीम का संतुलन अच्छा होगा। नई गेंद से गेंदबाजी करने का उनका कौशल भारत को तीन या चार स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरने की सुविधा देते हैं। सूर्यकुमार ने पांच मैचों की शृंखला के शुरुआती टी20 मैच से पहले कहा,'' मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में भी देखा होगा जब वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने हमारे लिए अंतिम एकादश के लिहाज से कई विकल्प और कई संयोजन आजमाने के मौके दिये।'' उन्होंने कहा, '' वह टीम को विकल्प देने के साथ मजबूती प्रदान करते हैं। बड़े मैचों और आईसीसी प्रतियोगिताओं में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहता है।'' भारतीय टी20 टीम के कप्तान ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह अनुभव बहुत मायने रखेगा।

अभिषेक शर्मा मैच विजेता खिलाड़ी, हमारे लिए उसका विकेट अहम : एडेन मारक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भाषा। दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम के कप्तान एडेन मारक्रम ने अभिषेक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय सलामी बल्लेबाज बेखौफ और उस अति-आक्रामक खेल शैली का प्रतीक है जिसने इस प्रारूप को नई पहचान दी है। सनराइजर्स हैदराबाद में अभिषेक के साथ खेलने वाले मारक्रम ने इस 25 वर्षीय वामहस्त बल्लेबाज के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया।

बाराबती स्टेडियम में होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला के पहले मैच की पूर्व संध्या पर मारक्रम ने कहा, ''मैं सनराइजर्स में पहले भी अभिषेक के साथ खेल चुका हूं, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं, इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि यह हमारे लिए एक बड़ा विकेट है।'' उन्होंने कहा, ''जो भी नई गेंद से गेंदबाजी करेगा उसके लिए अभिषेक को जल्दी आउट करना एक चुनौती होगी। वह मैच जिताने वाले खिलाड़ी हैं और यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण विकेट है।'' मारक्रम ने कहा कि मौजूदा समय में टी20 बल्लेबाजी में युवाओं का दबदबा है जो इसकी आक्रामक प्रवृत्ति को मनोरंजन और अवसर दोनों के रूप में देखते हैं।

सुविचार

जब हमारा मन कमजोर होता हैं, तब परिस्थितियां समस्या बन जाती हैं और जब हमारा मन कठोर होता है तब परिस्थितियां चुनौती बन जाती हैं। जब हमारा मन मजबूत होता हैं, तब परिस्थितियां अवसर बन जाती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वदेश को मां कहने में संकोच क्यों?

'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने पर यह गीत एक बार फिर विशेष चर्चा का केंद्र बन गया है। यह एक ऐसा दिव्य मंत्र है, जिसने स्वतंत्रता सेनानियों तथा क्रांतिकारियों में नई ऊर्जा भर दी थी। जो व्यक्ति इसे गाता है, उसके हृदय में देशप्रेम का सागर उमड़ आता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि आजादी से पहले कई लोग इसका विरोध करते थे, आज भी कुछ लोग ऐसा कर रहे हैं। जो व्यक्ति 'वंदे मातरम्' का विरोध करता है, वह न तो इसकी मूल भावना को जानता है और न ही उसे महसूस करता है। इसके विरोध में कुतर्क देने वाले कथित बुद्धिजीवी कोरे शब्दों की हेरफेर करते हैं। उनके लिए कोई देश बस जमीन का एक टुकड़ा होता है। ऐसे बुद्धिजीवी वर्ष 1947 से पहले भी खूब सक्रिय थे। वे उस जमाने में पत्र-पत्रिकाओं में लिखा करते थे- 'देश को मां का दर्जा कैसे दे सकते हैं? ... मां तो बस वही होती है, जो हमें जन्म देती है! जमीन के टुकड़े को मां कैसे मान लें?' इन प्रश्नों के कितने ही तर्कपूर्ण उत्तर दिए जाएं, जो व्यक्ति नहीं समझना चाहता, वह नहीं समझेगा। हां, जो व्यक्ति किसी खास घटना के बाद अपने देश का महत्त्व समझेगा, उसे किसी तर्क की जरूरत ही नहीं होगी। याद करें, कुछ साल पहले इराक में कई भारतीय नागरिक आईएसआईएस की कैद में थे। जब वे सकुशल स्वदेश लौटे तो उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए अपने अनुभव कुछ इस तरह बताए थे- 'हम अपनी मां के पास आ गए हैं, जहां खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करते हैं।' मई 2017 में एक युवती ने वाघा सीमा पार करने के बाद जब भारत की धरती पर कदम रखा तो मिट्टी को माथे से लगाया था। वह भारतीय नागरिक थी, जिसे एक पाकिस्तानी ने धोखे से बुलाकर बंधक बना लिया था। उस युवती और उसके माता-पिता से पूछें कि भारत मां है या नहीं है?

अपने देश को मां का दर्जा देने में कोई बुराई नहीं है। यह उसके प्रति कृतज्ञता जताने की कोशिश है। अगर देश सिर्फ जमीन का एक टुकड़ा होता तो क्या इतने बलिदानी आगे आते? क्या हम कभी आजाद होते?

अपने देश को मां का दर्जा देने में कोई बुराई नहीं है। यह उसके प्रति कृतज्ञता जताने की कोशिश है। अगर देश सिर्फ जमीन का एक टुकड़ा होता तो क्या इतने बलिदानी आगे आते? क्या हम कभी आजाद होते? भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और ऐसे अनेक महापुरुष क्या चाहते थे? यही कि उनकी भारत मां गुलामी की बेड़ियों से आजाद हो। जिन्ना और उनके चेलों के मन में ऐसी कोई भावना नहीं थी। उनके लिए देश एक जमीन का टुकड़ा था, जिसमें से वे हिस्सा लेना चाहते थे। उन्होंने हिस्सा लिया। आज वहां हाहाकार मचा हुआ है। अगर पाकिस्तानी अपने देश को मां समझते तो उनकी ऐसी दुर्दशा नहीं होती। उन्होंने भारत से रिश्ता खत्म करने के लिए कभी अरब, कभी अफगान और कभी ईरानी बनने का स्वांग रचा। अब वे क्या बन गए, यह खुद नहीं जानते। जो लोग 'वंदे मातरम्' का विरोध करते हैं, उन्होंने ध्यान से इसका अर्थ नहीं पढ़ा होगा। अगर पढ़ा होता तो विरोध नहीं करते। इस गीत में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हों। यह गीत बहुत सुंदर शब्दों में अपने देश की दिव्यता का वर्णन करता है। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अस्सी के दशक में 'वंदे मातरम्' का उर्दू में अनुवाद किया था। अनुवाद की कुछ पंक्तियों- 'तू भरी है मीठे पानी से ... फल-फूलों की शादाबी से ... ठंडी हवाओं से ... तेरी मीठी बहुत ज़ुबां है ... तेरे क़दमों में मेरी जन्नत है' - को पढ़कर कोई भी विवेकशील मनुष्य समझ सकता है कि यह गीत स्वदेश प्रेम का निर्मल और उदात्त स्वर है। इसमें मिट्टी की खुशबू और ममता का एहसास है। वंदे मातरम्!

ट्वीटर टॉक

जयपुर में हाईकोर्ट के आसपास वर्षों से चली आ रही पार्किंग की समस्या का निदान करने के लिए कांग्रेस सरकार के समय वर्ष 2022-23 के बजट में 50 करोड़ रुपये लागत से 500 वाहनों की अंडरग्राउंड पार्किंग बनाने की घोषणा कर काम शुरू किया था।

-अशोक गहलोत

जयपुर में भारतीय राजमार्ग अभियन्ता अकादमी, नोएडा (सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं के लिए आयोजित सड़क सुरक्षा ऑडिट के 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मन की शांति

एक राजा था जिसे पेटिंग्स से बहुत प्यार था। एक बार उसने घोषणा की कि जो कोई भी उसे एक ऐसी पेंटिंग बना कर देगा जो शांति को दर्शाती हो तो वह उसे मुंह माँगा इनाम देगा। फैसले के दिन एक से बढ़ कर एक चित्रकार इनाम जीतने की लालच में अपनी-अपनी पेंटिंग्स लेकर राजा के महल पहुंचे। राजा ने एक-एक करके सभी पेंटिंग्स देखीं और उनमें से दो को अलग रखवा दिया।अब इन्ही दोनों में से एक को इनाम के लिए चुना जाना था। पहली पेंटिंग एक अति सुन्दर शांत झील की थी। उस झील का पानी इतना साफ़ था कि उसके अन्दर की सतह तक नज़र आ रही थी और उसके आस-पास मौजूद हिमखंडों की छवि उस पर ऐसे उभर रही थी मानो कोई दर्पण रखा हो। ऊपर की ओर नीला आसमान था जिसमें रुई के गोलों के सामान सफ़ेद बादल तैर रहे थे। जो कोई भी इस पेटिंग को देखता उसको यही लगता कि शांति को दर्शाने के लिए इससे अच्छी पेंटिंग हो ही नहीं सकती।दूसरी पेंटिंग में भी पहाड़ थे, पर वे बिलकुल रूखे, बेजान , वीरान थे और इन पहाड़ों के ऊपर घने गरजते बादल थे जिनमे बिजलियाँ चमक रही थींघनघोर वर्षा होने से नदी उफान पर थी तेज हवाओं से पेड़ हिल रहे थे और पहाड़ी के एक ओर स्थित झरने ने रौद्र रूप धारण कर रखा था। जो कोई भी इस पेटिंग को देखता यही सोचता कि भला इसका शांति से क्या लेना देना इसमें तो बस अशांति ही अशांति है। सभी आश्वस्त थे कि पहली पेंटिंग बनाने वाले चित्रकार को ही इनाम मिलेगा। तभी राजा अपने सिंहासन से उठे और ऐलान किया कि दूसरी पेंटिंग बनाने वाले चित्रकार को वह मुंह माँगा इनाम देंगे। हर कोई आश्चर्य में था। पहले चित्रकार से रहा नहीं गया, वह बोला, लेकिन महाराज उस पेटिंग में ऐसा क्या है जो आपने उसे इनाम देने का फैसला लिया जबकि हर कोई यही कह रहा है कि मेरी पेंटिंग ही शांति को दर्शाने के लिए सर्वश्रेष्ठ है? आओ मेरे साथ!, राजा ने पहले चित्रकार को अपने साथ चलने के लिए कहा।

सामयिक

ड्रग तस्करी के खिलाफ आशा जगाती साझा पहल

रोहित माहेश्वरी

भारत विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध संस्कृतियों में से एक है, लेकिन आज यह अनेक सामाजिक समस्याओं से जूझ रहा है। इनमें से एक समस्या नशे की बढ़ती लत है, जिसने न केवल समाज की जड़ों को कमजोर किया है, बल्कि नई पीढ़ी के भविष्य को भी अंधकारमय बना दिया है। युवा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होते हैं। उनकी ऊर्जा किसी भी देश की प्रगति और विकास की दिशा तय करती है। भारत विश्व का सबसे युवा देश है। यहां 65 फीसद से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है, लेकिन दुखद है कि देश आज नशे की समस्या से जूझ रहा है। नशा एक ऐसी बुराई है जो युवा वर्ग की क्षमता, नैतिकता और उनके उज्ज्वल भविष्य को निगल रही है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि इसका प्रभाव समाज और राष्ट्र के विकास पर भी पड़ता है। आजकल युवाओं में नशे की लत तेजी से बढ़ रही है। शराब, तंबाकू, गांजा, अफीम और नशीली दवाइयों के अलावा, आधुनिक समय में कोकीन, हेरोइन और 'सिंथेटिक ड्रग्स' का प्रचलन भी खूब बढ़ा है।

देश के लगभग हर राज्य में नशीले पदार्थों का बढ़ता घातक कारोबार गंभीर संकट की आहट सुना रहा है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने को अपराध की गलियों से गुजरने में गुरेज नहीं करते। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। बीते दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था।

इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं।

यह जहरीला कारोबार सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं है बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच साझा चुनौती बना हुआ है, जिसका मुकाबला डेटा साझेदारी और पारदर्शी समन्वय से ही संभव है। खासकर सीमावर्ती राज्यों को तो अंतरराष्ट्रीय व अंतरराज्यीय तस्करों से मुकाबले के लिए मिलकर काम करना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि चंडीगढ़ में आयोजित सेमिनार के निष्कर्ष राज्य व केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया ताकि साझी रणनीति तय की जा सके। दरअसल, हाल के दिनों में पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। संकट का एक पहलू यह भी है कि सीमावर्ती जिलों में किशोरों को नशे की आपूर्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब सरकार के विशेष अभियान के दौरान भी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। अनेक तस्कर व दोहरी भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मियों तक भी कानून के हाथ पहुंचे हैं। लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

पंजाब पुलिस का युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान जारी है। पुलिस ने बीती 7 दिसंबर को प्रदेश के 204 स्थानों पर रेड की। इस दौरान पूरे राज्य में 52 एफआईआर दर्ज कर नशा तस्करी में 71 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 834 ग्राम हेरोइन, 1.5 किलो अफीम, 281 नशीली गोलियां और 20,920 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। 100 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में 204 स्थानों पर रेड की और 224 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की।

साथ ही 38 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास केंद्रों पर उपचार कराने के लिए राजी किया गया। हिमाचल प्रदेश में भी कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। बीते दिनों मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने तपोवन विधानसभा परिसर में नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन सेंटर की छठी राज्य स्तरीय बैठक के बाद बातचीत में बताया कि चिट्टा तस्करी में 60 सरकारी कर्मचारी संलिप्त पाए गए हैं, जिनमें 15 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। इनमें से पांच पुलिस कर्मियों को बर्खास्त किया जा चुका है, जबकि अन्य के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है। कमोबेश ऐसे ही हालात देश के अन्य राज्यों के भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि देश के लिए घातक साबित हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश राज्यों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न राज्यों के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर इससे जुड़े डेटा साझा करने, पारदर्शी समन्वय और एक टीम, एक रणनीति'पर काम करें। साथ ही जरूरी है कि संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ काम करें। इस दौरान सात राज्यों के अधिकारियों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकने व नकली दवाइयों पर रोक लगाने के लिए सहयोग करने पर सहमति जतायी। इस नई चुनौती के मुकाबले के लिए विशेष प्रशिक्षण और सात राज्यों के ड्रग कंट्रोलरों और पुलिस अधिकारियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमति बनी।

नशे की समस्या राष्ट्र की प्रगति और विकास को भी बाधित करती है। युवा पीढ़ी नशे के कारण कमजोर हो जाती है। इससे देश की उत्पादकता और विकासशील क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके कारण होने वाले अपराध और दुर्घटनाएं भी देश की अर्थव्यवस्था पर भार डालती हैं। मादक पदार्थों की तस्करी अक्सर आतंकवादी गतिविधियों को फंड करने का जरिया बनती है। इससे देश की आंतरिक सुरक्षा को भी खतरा होता है। देश के भविष्य निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका है। एक स्वस्थ युवा ही देश को संपन्न बनाने का काम कर सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साफ मानना है कि अगर भारत को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनना है तो युवाओं को स्वस्थ और फिट होना होगा। मौजूदा समय में युवाओं के समक्ष नशा एक बड़ी समस्या बन गयी है। ऐसे में देश को नशा मुक्त बनाने में सभी को मिलकर काम करना होगा। उम्मीद है कि सात राज्यों के सामूहिक प्रयास से नशे और नकली दवाइयों के कारोबार पर अंकुश लगेगा और प्रभावी कार्रवाई हो पाएगी। युवाओं और देशवासियों को नशे के जाल से मुक्ति दिलाना सरकार और तंत्र की प्राथमिकता होना चाहिए।

नजरिया

भ्रष्टाचार के मकड़जाल में फंसी है दुनिया

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

दुनिया के लगभग हर देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार की इस महामारी से विश्व मुक्त नहीं हो पाया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों में जन जागरण और चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवसों का आयोजन किया जाता है, इनमें एक दिवस भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ दुनिया को एकजुट करने के लिए 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, भ्रष्टाचार का मुकाबला करने की ख़ातिर वैश्विक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए दुनिया भर के देशों को मिलकर काम करने की ज़रूरत है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में रिश्वत की वार्षिक मात्रा एक ट्रिलियन डॉलर आँकी गई है। भ्रष्टाचार के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.6 ट्रिलियन डॉलर का नुक़सान होता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के पाँच प्रतिशत से अधिक है।

यह जगजाहिर और अकाट्य सत्य है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार की वजह से न केवल आर्थिक विकास पर असर पड़ता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास को भी ठेस पहुँचती है। विश्व का कोई भी देश भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार ने पूरी दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले रखा है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र के प्रति विश्वास को नुकसान पहुँचाता है और रिश्वत की संस्कृति को बढ़ावा देता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किये जाते है। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर गहन चिंतन और मनन की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भ्रष्टाचार एक गंभीर अपराध है जो सभी समाजों में सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। यह आग की तरह दुनिया के सभी हिस्सों में फैल गया है। इससे लोकतान्त्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है। भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट आचरण यानि जिसका आचार बिगड़ गया हो। स्वार्थ में लिप्त होकर किया गया गलत कार्य भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं- रिश्वत, कमीशन लेना, काला बाजारी, मुनाफाखोरी, मिलावट, कर्तव्य से भागना, चोर-अपराधियों आतंकियों को सहयोग करना आदि आदि। इसका सीधा मतलब है जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित नैतिकता के आचरण का उल्लंघन करता है तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। यहां भ्रष्टाचार से हमारा तात्पर्य अनैतिक और गलत तरीके से अर्जित आय से है।

भारत में भ्रष्टाचार ने लगता है संस्थागत रूप धारण कर लिया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम यह कहा है की वे न तो खाएंगे और न खाने देंगे। मोदी अपनी बात पर कायम रहे मगर भ्रष्टाचार पर काबू नहीं पाया जा सका है। दुनिया के भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के द इंडिया करप्शन सर्वे 2024 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 96 वें स्थान पर रहा। इससे पहले साल 2023 में 93 और 2022 में भारत की रैंकिंग 85 थी, जो इस साल बढ़कर 96 हो गई है। दुनिया में सबसे भ्रष्ट देश सोमालिया है जबकि सबसे कम भ्रष्ट डेनमार्क है, जो लगातार छठे साल भी ग्लोबल करप्शन इंडेक्स में टॉप पर है।

140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है की बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिला कर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। छउव्ह और लोकल सर्कल इंडिया करप्शन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आरही है। मंत्री से लेकर संतरी और नेताओं तक पर भ्रस्टाचार के दलदल में फंसे है। भ्रष्टाचार हमारे सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर कानून और दंड-व्यवस्था की जानी चाहिए। जब तक समाज एकजुट होकर भ्रष्टाचार पर हमला नहीं करेगा तब तक इस बीमारी को जड़मूल से समाप्त नहीं किया जा सकता।

नजरिया

कालबेलिया समाज की बेटियों ने बदली रूढ़िवादी सोच

देवेंद्र सिंह

मोबाइल : 80946 61100

कालबेलिया समाज की कहानी जितनी रंगीन दिखाई देती है, उसकी परतों में उतना ही गहरा दर्द, उपेक्षा और संघर्ष छिपा हुआ है। यह वही समाज है, जहां कभी बेटी का जन्म होना स्वयं में एक बोझ समझा जाता था। गरीबी, आजीविका के अभाव और सामाजिक असुरक्षा ने इस सोच को इतना गहरा बना दिया था कि कई बार बेटियों को जन्म लेते ही मार दिया जाता था। यह कोई सामाजिक परंपरा नहीं थी, बल्कि हालात की मजबूरी और पितृसत्तात्मक मानसिकता का परिणाम थी। समाज में यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी थी कि बेटा वंश का वाहक है, कमाने वाला है और बुढ़ापे का सहारा बनेगा, जबकि बेटी पराया धन है, जिसे पाल-पोसकर अंततः दूसरे घर भेज देना है। इसी असमान सोच ने लैंगिक भेदभाव को जन्म दिया, जिसकी कीमत कई मासूम बेटियों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। आय के स्थायी साधन के अभाव ने इस सोच को और मजबूत किया।

कालबेलिया समुदाय परंपरागत रूप से घुमंतू रहा है। उनके डेरे एक स्थान से दूसरे स्थान तक लगते रहे और जीवन सांप पकड़ने, बीन बजाने, जहर निकालने, सुरमा बनाने और तमाशा दिखाने के इर्द-गिर्द घूमता रहा। महिलाएं घर-घर जाकर भिक्षा मांगती थीं और उसी से परिवार का पेट पलता था। ऐसे अस्थिर जीवन में बेटियों का पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और विवाह का खर्च परिवार के लिए बोझ बन चुका था। यही कारण था कि समाज में लड़कियों की संख्या लगातार घटती जा रही थी और इसकी भरपाई के लिए लड़के वालों को पैसा देकर शादी करने जैसी अमानवीय परंपरा भी पनपने लगी, जिसमें लड़की स्वयं एक सौदे का हिस्सा बन गई। एक स्त्री, जो जीवन देती है, उसी की जिंदगी सस्ती कर दी गई।

साल 1972 में जब वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू हुआ और सांप पकड़ने तथा उनके प्रदर्शन पर रोक लगी, तब कालबेलिया समुदाय की जीवनशैली एकदम बदल गई। रोजगार का मुख्य साधन छिन गया और सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ा, जो पहले से ही हाशिए पर थीं। हालांकि यही संकट उनके लिए एक अवसर भी बनकर आया। महिलाओं ने अपनी पारंपरिक नृत्य शैली को अपनाया, उसे सहेजा और मंचों तक पहुंचाया। कालबेलिया नृत्य, जो कभी सिर्फ समुदाय के भीतर सीमित था, अब सात समुंदर पार अपनी पहचान बना चुका है। इसकी विशिष्ट लय, भाव-भंगिमा और पारंपरिक वेशभूषा ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। अंततः इस नृत्य को यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कर लिया गया।

यह गौरवपूर्ण पल पूरे भारत के लिए महत्वपूर्ण था, लेकिन इसके पीछे जिन हाथों की मेहनत और साधना थी, वे हाथ स्त्रियों के थे। उन्हीं स्त्रियों के, जिन्हें कल तक मंच पर आने की इजाजत नहीं थी, जिन्हें पर्दे और परंपराओं में कैद करके रखा गया था। गुलाबो सपेरा जैसी कलाकार को पद्मश्री मिलना और ममता जोगी का आईएएस अधिकारी बनना इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकती हैं। आज कई कालबेलिया महिलाएं नृत्य के साथ-साथ सिलाई, कढ़ाई, गुदड़ी बनाने, हस्तशिल्प और छोटे व्यवसायों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं। फिर भी विडंबना यह है कि समाज की सोच पूरी तरह नहीं बदली है। आज भी बड़ी संख्या में परिवार ऐसे हैं, जो सार्वजनिक मंच पर नृत्य करने वाली बेटियों को सम्मान की नजर से नहीं देखते। उनकी कला को रोजगार नहीं, बल्कि मर्यादा का उल्लंघन मान लिया जाता है। ऐसे परिवारों की बेटियां चाहकर भी अपनी प्रतिभा को निखार नहीं पाती, क्योंकि उन्हें सामाजिक बहिष्कार, तानों और बदनामी का डर दिखाया जाता है। एक ओर समाज उनकी कला से पहचान चाहता है, दूसरी ओर उसी कला को अपनाने वाली स्त्री को संदेह की नजर से देखता है। यह दोहरा मापदंड ही लैंगिक भेदभाव की असली पहचान है।

कालबेलिया समाज की महिलाएं एक विरोधाभास की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उसी संस्कृति की बंदिशों की शिकार भी। उनके नृत्य को विश्व मंच पर सराहा जाता है, लेकिन उन्हें अपने गांव और समाज में बराबरी का दर्जा नहीं मिलता। वे अपनी कला के कारण प्रसिद्ध हैं, लेकिन अपने अधिकारों के लिए आज भी अनसुनी हैं। बाल विवाह, अशिक्षा, घरेलू हिंसा और निर्णय लेने की आज़ादी का अभाव आज भी उनकी लड़ाई के हिस्से हैं। अब बदलाव की असली जरूरत केवल योजनाओं और नारों में नहीं, मानसिकता में है। सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं जब तक जमीन पर जाकर इन महिलाओं के साथ सीधे काम नहीं करेंगी, तब तक हालात नहीं बदलेंगे। शिक्षा को बढ़ावा देना, आर्थिक सहायता देना और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है पुरुषों की सोच में परिवर्तन लाना। उन्हें यह समझना होगा कि बेटी बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की नींव है। वहीं महिलाओं को भी अपने भीतर वर्षों से बैठे डर और हीन भावना को तोड़कर आगे आना होगा। कभी जिन बेटियों को कालबेलिया समाज में बोझ समझा जाता था, आज वही उसकी सबसे बड़ी ताकत बन चुकी हैं। गरीबी, असुरक्षा और पितृसत्तात्मक सोच के कारण जिन लड़कियों को जन्म के साथ ही मौत के घाट उतार दिया जाता था, वही आज अपनी कला, शिक्षा और आत्मनिर्भरता से परिवार और समाज का भविष्य संवार रही हैं। यह यात्रा आसान नहीं रही है, क्योंकि आज भी उन्हें बराबरी और सम्मान के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ रहा है।

अब कालबेलिया समाज की बेटियां केवल नृत्यांगनाएं नहीं, बल्कि बदलाव की प्रतीक बन चुकी हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि जिन बेटियों को कभी बोझ समझा गया, वही बेटियां आज इतिहास रच सकती हैं। आवश्यकता है तो बस इतना कि समाज उन्हें वह सम्मान और बराबरी दे, जिसकी वे सच्ची हकदार हैं। यही असली सामाजिक न्याय होगा और यही लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सबसे मजबूत जीत है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बरी

मलयालम एक्टर दिलीप केरल के कोच्चि में सोमवार को एक साउथ इंडियन एक्ट्रेस से जुड़े 2017 के सेक्सुअल असॉल्ट केस में बरी होने के बाद एर्नाकुलम डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से बाहर निकलते हुए। कोर्ट ने मुख्य आरोपी सुनील एन एस उर्फ पल्सर सुनी, जिसने सीधे तौर पर क्राइम किया था, समेत छह और लोगों को दोषी पाया।

पुतिन की भारत यात्रा पर चीन सकारात्मक, मजबूत त्रिपक्षीय सहयोग का आह्वान किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उसने तीनों देशों को 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा करार देते हुए कहा कि मजबूत त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं स्थिरता के साथ-साथ उनके अपने राष्ट्रीय हितों के लिए भी फायदेमंद हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा, चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा भी हैं। यह पिछले हफ्ते पुतिन की हाई-प्रोफाइल भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी बातचीत पर चीन की ओर से पहली प्रतिक्रिया है। गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं।

रूस के साथ चीन के मजबूत संबंधों के मद्देनजर बीजिंग की पुतिन की भारत यात्रा पर करीबी नजर थी।भारत यात्रा से पहले पुतिन की ओर से नई दिल्ली और बीजिंग के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर गुओ ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने अपनी भारत यात्रा से पहले एक भारतीय समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा था, भारत और चीन हमारे सबसे करीबी मित्र हैं।

शांति योजना और सुरक्षा पर यूरोपीय सहयोगियों के साथ लंदन में बातचीत करेंगे जेलेंस्की

लंदन/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की सोमवार को लंदन में फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के नेताओं से मुलाकात करेंगे। कीव के यूरोपीय सहयोगी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित योजना पर कठिन वार्ता में यूक्रेन का हाथ मजबूत करने के लिए प्रयासरत हैं।

प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर अपने 10 डाउनिंग स्ट्रीट स्थित आवास पर जेलेंस्की, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ मुलाकात करने वाले हैं।

जेलेंस्की ने रविवार देर रात कहा कि इस सप्ताह लंदन और ब्रसेल्स में यूरोपीय नेताओं के साथ उनकी बातचीत सुरक्षा, वायु रक्षा और यूक्रेन के युद्ध प्रयासों के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण पर केंद्रित होगी।नेता यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि किसी भी युद्धविराम को यूरोप और अमेरिका दोनों की ओर से ठोस सुरक्षा गारंटी का समर्थन प्राप्त हो ताकि रूस को फिर से हमला करने से रोका जा सके। अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने शनिवार को तीन दिवसीय वार्ता पूरी की, जिसका उद्देश्य अमेरिकी प्रशासन के शांति प्रस्ताव पर मतभेदों को कम करना था।जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर पोस्ट किया कि वार्ता सार्थक रही और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमरोव और जनरल स्टाफ के प्रमुख आंद्रेई हनातोव उन्हें जानकारी देने के लिए यूरोप वापस आ रहे हैं।प्रस्ताव में एक प्रमुख विवाद का मुद्दा यह है कि क्या यूक्रेन को अपने पूर्वी डोनबास क्षेत्र का नियंत्रण रूस को सौंप देना चाहिए, जिसने उसके अधिकांश क्षेत्र पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगी जमीन सौंपने के विचार से सहमत नहीं हैं।

पोलिंग अधिकारी

केरल लोकल बॉडी चुनाव के पहले फेज से एक दिन पहले, सोमवार को तिरुवनंतपुरम के एक डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर एक सिक्योरिटी ऑफिसर और पोलिंग अधिकारी चुनाव मटीरियल के साथ अपने-अपने पोलिंग बूथ के लिए निकलते हुए।

'रांझे नू हीर' गाने की शूटिंग में गर्मी से परेशान हुए कपिल शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

दर्शकों को हमेशा से बॉलीवुड में कॉमेडी और रोमांस का अनोखा मिश्रण पसंद आया है। ऐसे में अभिनेता-कॉमेडियन कपिल शर्मा की आने वाली फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' काफी चर्चा में है। इसमें रोमांस और ह्यूमर का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। फिल्म का एक खास रोमांटिक गाना 'रांझे नू हीर' पहले ही चर्चा में है, और कपिल शर्मा ने अपनी शूटिंग की कहानी साझा की है। कपिल शर्मा ने बताया कि इस गाने की शूटिंग उनके लिए एक खास अनुभव रहा। उन्होंने कहा, मेरी को-स्टार हीरा वरीना ने मुझे सेट पर बेहद आरामदायक और सहज महसूस कराया। गाने की शूटिंग भोपाल में हुई थी। शूटिंग के पहले दिन बेहद गर्मी थी। जैसे ही डायरेक्टर 'कट' कहते, मैं अपना कुर्ता उतारकर केवल अंडरशर्ट में आ जाता था। कपिल ने कहा, ''मैं सच में वरीना का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे सपोर्ट किया। किसी भी सीन में आपकी एक्टिंग काफी हद तक आपके को-स्टार पर निर्भर करती है। जब सामने वाला कलाकार अच्छा रिस्पॉन्स देता है तो यह आपके प्रदर्शन को भी बेहतर बनाता है। सेट पर वरीना ने मुझे सहज महसूस कराया।''

धुरंधर' में रहमान डकैत बनकर छाए अक्षय खन्ना

मुंबई/एजेन्सी

5 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' की हर तरफ तारीफ हो रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन तो कर ही रही है, लेकिन साथ ही इसका हर किरदार फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहा है। इस मल्टीस्टारर फिल्म में सबसे ज्यादा चर्चा अक्षय खन्ना के रहमान डकैत के किरदार की हो रही है। अपने किरदार में जान डालने के लिए एक्टर ने एक्सप्रेशन से लेकर शानदार डायलॉग डिलीवरी की है। फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान भी अभिनेता की एक्टिंग देखकर हैरान हैं। फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान ने अक्षय खन्ना की एक्टिंग की तारीफ की है और उन्हें ऑस्कर से सम्मानित करने की बात कही है। फराह खान ने इंस्टास्टोरी पर वीडियो पोस्ट की, जिसमें एक तरफ अक्षय खन्ना रहमान डकैत बने दिख रहे हैं और दूसरी तरफ अक्षय कुमार के साथ कॉमेडी करते दिख रहे हैं। यह सीन फिल्म 'तीस मार खान' का है। वीडियो को पोस्ट कर फराह खान ने लिखा, अक्षय खन्ना, आप सच में ऑस्कर डिजर्व करते हैं।

सोशल मीडिया पर भी अक्षय खन्ना की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। उनके आंखों के एक्सप्रेशन बेचैनी पैदा करते हैं और हत्या के जिस सीन को उन्होंने किया है, उससे सिहरन पैदा होती है। अभिनेता ने किरदार में इतनी नेगेटिव ऊर्जा डाल दी कि मानो रहमान डकैत दहशत लेकर दोबारा पैदा हो गया हो। दर्शकों को उनका किरदार इसलिए भी पसंद आया क्योंकि उन्हें अभी तक कॉमेडी के हल्के-फुल्के अंदाज में फिल्मों में देखा गया था, लेकिन फिल्म 'धुरंधर' में उनका नया ही रूप देखने को मिला है। इसी वजह से सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ हो रही है।

धागा निकालती

बस्तर जिले के जगदलपुर में एक सेंटर में रेशम रीलिंग मशीन पर कोकून से धागा निकालने का काम करती महिलाएं।

सलीम साहब मेरे लिए परिवार जैसे हैं, उनसे हर पल कुछ सीखने को मिलता है : लूलिया वंतूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान की खास दोस्त और रोमानियाई सिंगर लूलिया वंतूर ने एक्टर दीपक तिजोरी के साथ शॉर्ट ड्रामा 'इकोज ऑफ अस' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया। हाल ही में लूलिया ने आईएएनएस से बातचीत की और दीपक तिजोरी संग अनुभव से लेकर सलमान खान के परिवार के साथ अपने रिश्ते और आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर खास बातचीत की। उन्होंने कहा, दीपक तिजोरी बहुत अच्छे इंसान और शानदार अभिनेता हैं। उनके साथ काम करके काफी अच्छा अनुभव रहा। उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। लूलिया ने यह भी बताया कि 'इकोज ऑफ अस' में एक लव सॉन्ग को उन्होंने एक भारतीय गायक के साथ गाया है। अभी मेरे कई सारे गाने रिलीज होने बाकी हैं। हाल ही में लूलिया ने सलीम खान (सलमान खान के पिता) के जन्मदिन पर उन्हें सोशल मीडिया के जरिए शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने कहा, सलीम साहब बहुत शानदार इंसान हैं। उनके साथ बिताया हर पल कुछ सिखाता है। मेरा अपना परिवार दूर है, इसलिए वे मेरे लिए परिवार जैसे हैं।

जब आईएएनएस ने उनसे पूछा, क्या आपको रोमानिया में सफल करियर छोड़ने का पछतावा है?, इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने जीवन से ये सब बिल्कुल भी नहीं छोड़ना चाहूंगी, क्योंकि नया देश आपको सेफ जोन से बाहर निकालता है। आपको खुद को नए सिरे से पहचान बनानी पड़ती है। मैंने माना कि रोमानिया में मेरा एक सफल करियर था। मैंने वहां पर कई सारे काम किए हैं, लेकिन जिंदगी ने मुझे नया रास्ता दिया। नई भाषा में गाना, परफॉर्म करना, और रिकॉर्डिंग करना। मैंने महसूस किया कि गायन ही मेरा असली जुनून है। उन्होंने कहा, हर भाषा की अपनी आत्मा होती है। संगीत संस्कृति की जड़ है। भारतीय संगीत मेरे लिए इंद्रधनुष जैसा है। रंगों, सुरों और भावनाओं से भरा। हिंदी संगीत सीखकर मैं इंसान के तौर पर समृद्ध हुई हूं। जब पूछा गया कि पोप के सामने गाना परफॉर्मेंस था या प्रार्थना, तो लूलिया ने कहा, सच बोलूं तो तीनों थे, परफॉर्मेंस, संस्कृति दिखाना और प्रार्थना भी।

फिल्म वा वाथियार की शूटिंग से एक रात पहले मैंने आत्मा देखी : कृति शेट्टी

मुंबई। अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म 'वा वाथियार' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया। कृति ने कहा, मैं निर्देशक नलन कुमारस्वामी की इस फिल्म में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो आत्माओं से बात करती है और जो दूसरे लोगों की तुलना में भावनाओं और ऊर्जा को अधिक गहराई से महसूस करती है। सिनेमा में ऐसे किरदार आमतौर पर कम ही देखने को मिलते हैं, खासकर भारतीय फिल्मों में, इसलिए यह मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग अनुभव था। जब मैं इस किरदार की तैयारी कर रही थी, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है। कृति ने कहा, ''मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था।''

उन्होंने बताया, ''शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया जैसी आकृति मैंने महसूस की थी। उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता।'' कृति ने कहा, ''इस फिल्म में स्पिरिट रीडर का किरदार निभाते समय मुझे खुद भी लगता था कि शायद दर्शकों को ऐसी बातें अविश्वसनीय लगेंगी।

जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता : राधिका आप्टे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री राधिका आप्टे हमेशा से अपने अलग अंदाज के लिए जानी जाती रही हैं। फिल्मों में अनोखे किरदार निभाने से लेकर निजी जीवन में अपने फैसलों पर कायम रहने तक, वह अक्सर ऐसी बातें कहती हैं जो उनके आत्मविश्वास और स्पष्टता को दर्शाती हैं। इस कड़ी में उन्होंने आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया कि वह करियर, शहर या मौके खोने जैसे दबावों को बहुत हल्के में लेती हैं। आईएएनएस से एक खास बातचीत में राधिका आप्टे ने बताया कि उन्हें किसी भी चीज के छूट जाने का डर बिल्कुल नहीं होता। उन्होंने कहा, ''मैं इस तरह का दबाव कभी नहीं लेती। अगर मैं मुंबई में नहीं हूं, तो मैं इस बात की चिंता बिल्कुल भी नहीं करूंगी कि मेरे हाथ से बड़े मौके निकल जाएंगे। फिलहाल मैं लंदन में रहती हूं और काम के लिए भारत आती हूं। कई लोगों का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री का केंद्र मुंबई होने के कारण, वहां स्थायी रूप से रहना जरूरी है, लेकिन यह सोच पूरी तरह से गलत है।'' राधिका ने कहा, ''अगर मुझे कोई काम पसंद आएगा या मैं उसे करना चाहूंगी, तो मैं खुद मुंबई आ जाऊंगी। और अगर कभी कोई प्रोजेक्ट छूट भी गया, तो भी यह मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं है। जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता। कभी कुछ मिलता है, कभी नहीं, और दोनों ही स्थितियों को अपनाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''लंदन में रहने के बाद भी मेरे पास अच्छे प्रोजेक्ट्स के ऑफर्स हैं। इसलिए काम के पीछे भागने या लगातार उपलब्ध रहने का दबाव मैं खुद पर कभी नहीं लेती।''उन्होंने कहा, ''किसी भी चीज के छूट जाने का डर मेरे जीवन में ही नहीं है। हम अक्सर सोचते हैं कि कोई बड़ा मौका चला जाएगा, तो जीवन पर असर पड़ेगा, लेकिन असल में ऐसा नहीं है। हम चीजों को जितना बड़ा समझते हैं, वे उतनी बड़ी होती नहीं। मानसिक शांति और जीवन के वास्तविक आनंद ही अहम हैं।''राधिका आप्टे इन दिनों अपनी आने वाली थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह एक ऐसी साधारण महिला स्मिता का किरदार निभा रही हैं, जो घर में रहना पसंद करती है। उसे बागवानी का शौक है और बेहद शांत जिंदगी जीती है। उसकी दुनिया छोटी-सी है। लेकिन यही शांत दुनिया अचानक एक घटना के कारण बदल जाती है और कहानी एक रोमांचक दिशा में आगे बढ़ती है। यह फिल्म 12 दिसंबर को जी5 पर स्ट्रीम होगी।

अनिल कपूर को याद आया 'मिशन इम्पॉसिबल-4' का दौर

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में ऐसे कई सारे दिग्गज कलाकार रहे हैं, जिन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर न केवल भारत की जनता के दिलों में राज किया, बल्कि विदेश में भी जाकर अपने हुनर का परचम लहराया है।

इन्हीं में से एक हैं अभिनेता अनिल कपूर। अभिनेता अनिल कपूर ने साल 2011 में हॉलीवुड की फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल: घोस्ट प्रोटोकॉल' में काम किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फिल्म ने अपनी रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं, जिसकी खुशी जाहिर करते हुए अभिनेता ने एक पोस्ट शेयर कर फिल्म और साथी कलाकारों को याद किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के साथी कलाकारों के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो हमेशा के लिए दिलों में घर कर लेती हैं। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं होता कि वे किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा होती हैं या दुनियाभर में हिट हुई हैं, बल्कि इसकी असल वजह यह है कि इन फिल्मों के दौरान बने रिश्ते और दोस्तियां जिंदगीभर साथ रहती हैं।

अनिल कपूर ने आगे लिखा, फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल: घोस्ट प्रोटोकॉल' भी एक ऐसी फिल्म थी, जिसके रिलीज के 14 साल पूरे हो गए हैं। हंसी-मजाक, एक-दूसरे पर भरोसा, यादगार पल और अनमोल दोस्तियां, ये सब आज भी ताजा हैं। ये कहानी उन लोगों की है, जो धीरे-धीरे परिवार बन गए और उन रोमांचक सफर की है, जो कभी फीके नहीं पड़ते हैं। साल 2011 में रिलीज हुई 'मिशन इम्पॉसिबल: घोस्ट प्रोटोकॉल' इस सीरीज की चौथी फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन 'ब्राड बर्ड' ने किया था। फिल्म में टॉम क्रूज, जेरेमी रेनर और सिमोन पेग मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में अनिल कपूर ने भी अहम किरदार निभाया था। ये फिल्म नेटफ्लिक्स में स्ट्रीम हो रही है। अभिनेता अनिल कपूर की फिल्म जल्द ही एक्शन और ड्रामा से भरी फिल्म 'सूबेदार' में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी कर रहे हैं। इस फिल्म में राधिका मदान लीड रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म भारत के ग्रामीण इलाके की कहानी पर आधारित है। इसमें अनिल कपूर ने फौज से रिटायर सूबेदार अर्जुन मौर्य का किरदार निभाया है, जो आम जिंदगी जीने की कोशिश करता है। इस दौरान उसे कई चुनौतियों और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

आर2बी अकादमी का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आर2बी अकादमी का उद्घाटन पूरे उत्साह के साथ ऊर्जा और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक भावना से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मदर टेरेसा वुमेन्स यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. के. कला द्वारा रिबन काटकर हुआ। रेखा आंचलिया द्वारा मंगलाचरण एवं तमिल राज्यगीत गाया गया।

अकादमी के चेयरमैन भरत मरलेचा ने स्वागत भाषण में संस्था के उद्देश्य, दृष्टिकोण और महिला-कौशल विकास के मिशन को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। वाइस चेयरमैन बी. रेखा मरलेचा ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथियों डॉ. कला, अन्ना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वेलराज, गांधीग्राम ग्रामीण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन. पंचनाथन, एम. विद्या, सुमति, इंस्पेक्टर रत्नवेल पंडियन और विनोद बोहरा का पारंपरिक दुपट्टों और दक्षिण भारतीय गोंब्रम के साथ जीएच देवीचन्द मरलेचा ने सम्मान किया।

प्रो. वेलराज ने पुस्तक का विमोचन किया गया और पहली प्रति रेखा मलेंचा को समर्पित की, जो अकादमी की शैक्षिक प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। सर्वश्रेष्ठ स्टॉफ वार्ड सदस्य को श्रमिक सम्मान प्रदान किए गए, जिनमें तकनीकी कर्मचारियों-इलेक्ट्रिशियन, कारपेंटर, प्लंबर और हेल्पर्स-को भी मंच पर सम्मानित किया गया।

डॉ. पंचनाथन ने प्रथम बैच की छात्राओं को प्रेरक मार्गदर्शन किया और ग्रामीण महिलाओं की क्षमताओं पर बल दिया। आर2बी सैलून की टीम को बैज और पारंपरिक दुपट्टा भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. कला ने महिलाओं के सशक्तिकरण से नेतृत्व की बात कही। प्रो. वेलराज ने शक्ति से हुनर, हुनर से रोजगार की भावना को आर2बी अकादमी का आधार बताया।

अकादमी ने 2047 तक 1 लाख महिलाओं को सशक्त बनाने का लक्ष्य घोषित किया। यह आयोजन महिला-सशक्तिकरण के नए युग की शुरुआत का प्रतीक बनेगा। कार्यक्रम का संचालन मैत्री आंचलिया ने किया।

वेलूरु में मुनि हिमांशु का हुआ स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेलूर। महाश्रमणजी के शिष्य मुनि हिमांशु कुमार व मुनि हेमंत कुमार सोमवार सुबह मदुरै से तिरुवणामलै होते हुए वेलूर पहुंचे। कृष्णा नगर स्थित हीरालाल सुराणा के निवास स्थल पर उनके आगमन पर तेरापंथ समाज के श्रावक एवं श्राविकाओं ने पारंपरिक रीति से भावभीना स्वागत किया।

इस दौरान दिए अपने प्रवचन में मुनि हिमांशु कुमार ने कहा कि समभाव और समर्पण से ही घर स्वर्ग बनता है। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपने जीवन में बाहरी साधन, धन-धान्य तो जुटा लेता है, लेकिन यदि परिवार और गृहस्थ जीवन को सही ढंग से नहीं निभाया जाए तो सब व्यर्थ हो जाता है।

उन्होंने कहा कि आज सभी लोग धन कमाने में अधिक ध्यान दे रहे हैं, जिसके कारण परिवार को समय और संस्कार नहीं दे पा रहे। घर को स्वर्ग समान बनाने के लिए पारस्परिक सम्मान, संयम और सामंजस्य आवश्यक है।

एक्सप्रेस ट्रेनें सजेंगी एलएचबी कोच से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, दक्षिण रेलवे ने निम्नलिखित ट्रेनों के मौजूदा पारंपरिक रेक को एलएचबी (लिंक-हॉफमैन-बुश) कोचों में परिवर्तित करने की घोषणा की है।

ट्रेन संख्या 12602/12601 मंगलूरु सेंट्रल-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-मंगलूरु सेंट्रल सुपरफास्ट मेल एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। यह ट्रेन मंगलूरु से 3 फरवरी से और डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 2 फरवरी से चलेगी।

ट्रेन संख्या 22638/22637 मंगलूरु सेंट्रल-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-मंगलूरु सेंट्रल वेस्ट कोस्ट एक्सप्रेस एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। मंगलूरु सेंट्रल से 01 फरवरी से और डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 04 फरवरी से चलेगी। एलएचबी कोचों में रूपांतरण के परिणामस्वरूप, उपरोक्त ट्रेन सेवाओं की संरचना के अनुसार ट्रेन में 1 - प्रथम एसी-सह-एसी टू टियर कोच, 1- एसी टू टियर कोच, 5- एसी थ्री टियर कोच, 9 - स्लीपर क्लास कोच, 4 - सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1 - द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1- लगेज सह ब्रेक वैन कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 22639/22640 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-अल्लेप्पी-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 1 फरवरी से और अल्लेप्पी से 2 फरवरी से और ट्रेन संख्या 12695/12696 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 3 फरवरी से और तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से 04 फरवरी से चलेगी।

एलएचबी कोचों में रूपांतरण के उपरांत ट्रेन में 1 - प्रथम एसी-सह-एसी टू टियर कोच, 1- एसी टू टियर कोच, 3- एसी थ्री टियर कोच, 9 - स्लीपर क्लास कोच, 4 - सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1 - द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1- लगेज सह ब्रेक वैन कोच होंगे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

किसी की बद्दुआ नहीं लेनी चाहिए : कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एमकेबी नगर एसएस जैन संघ 8 दिसंबर को राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारे द्वारा किए गए कार्यों से किसी की भावना आहत होती है, दिल दुखता है और उसके अंतर मन से निकलने वाली बद्दुआ इंसान को खाक में मिला देती है। उन्होंने कहा कि शक्तिशाली हो अथवा बलशाली हो बेकसूरों पे जुल्म करता है और सोचता यह मेरा क्या बिगाड़ लेगा यह उसकी अज्ञान दशा है।

मुनिश्री कमलेश ने बताया कि इंसान तो क्या पशुओं से निकलने वाली बद्दुआओं से पैसा परिवार तो क्या साक्षात परमात्मा भी नहीं बचा सकते है। उन्होंने कहा कि अदालत कानून कोर्ट में रिश्वत देकर बच सकता है, उनको धोखा दे सकता है, चालाकी चल सकती है, परंतु यहां पर किसी का जैक और चेक नहीं चलता है। यहां देर है अंधेर नहीं। दुखी गरीब और सामान्य आत्मा आपका मुकाबला तो नहीं कर सकती लेकिन उसकी बद्दुआ जन्म जन्मांतर तक आपका पीछा नहीं छोड़ेगी। जैन संत ने कहा कि व्यक्ति शेर, सांप, अग्नि हथियार आदि से डरता है। परंतु अपने द्वारा किए हुए दुष्कर्मों को करते हुए सोचता है कौन देख रहा है यह उसकी सबसे बड़ी नादानी है। कर्म और परमात्मा से कोई छिपा हुआ नहीं है वहां सब का न्याय बराबर होता है। अंत में कहा कि श्रवण कुमार की बद्दुआ से राजा दशरथ भी नहीं बच सके, तो आपकी और मेरी क्या हैसियत है ,कर्मों के डर से बुरे काम पर अंकुश लगाने वाला ही सच्चा ज्ञानी है। श्री वीरेंद्र मुनिजी ने कहा कि विश्व के सभी धर्म का सार है बददुआओं से बचने का प्रयास करें। संघ प्रमुख अनिल दोषी, सज्जन सुराणा, हीरालाल कांठेड़ ने गुरुओं का अभिनंदन किया।

स्वस्ति अरिहंतकीर्ति भट्टारक का श्रवणबेलगोला में स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रवणबेलगोला। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक तीर्थक्षेत्र श्रवणबेलगोला के भट्टारक अभिनव चारुकीर्ति और अतिशय क्षेत्र अरिहंत गिरि के भट्टारक ने उत्तर भारत के 21वीं सदी के प्रथम भट्टारक के रूप में स्वस्ति अरिहंत कीर्ति भट्टारक का भव्य स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर जैन समाज श्रवणबेलगोला के मैनेजिंग कमेटी के सदस्य, कुष्माण्डिनी महिला समाज तथा गुरुकुल के बच्चों द्वारा नूतन अरिहंतकीर्ति भट्टारक महास्वामी का भव्य शोभा यात्रा के साथ विद्यानन्द निलय से मनोरम बग्गी में बैठाकर विन्ध्यगिरि पर्वत के समक्ष पादपूजा की गई और श्रवणबेलगोला गुरुपीठ परम्परा के अनुसार भव्य शोभायात्रा के साथ नगर परिक्रमा की गई, नूतन भट्टारक पर पुष्पवृष्टि की गई, क्षेत्र के पदाधिकारियों ने शॉल, माला, श्रीफल, वस्त्र- फल आदि भेंट कर पुष्पवृष्टि की। रंजू अजमेरा ने बताया कि वर्ष 2018 के महामस्तकाभिषेक के समय से पाँच वर्ष तक श्रवणबेलगोला के पूर्व भट्टारक कर्मयोगी स्वस्ति श्री चारुकीर्ति स्वामी के पास ब्रह्मचारी संजीव भैया के रूप में शिक्षा, जप-तप का अनुभव प्राप्त किया। वर्ष 2023 से तमिलनाडु के अरिहंत गिरि, भट्टारक स्वस्ति धवलकीर्ति के सानिध्य में विशेष अध्ययन किया और 12 अक्टूबर 2025 को कोटा में आचार्य प्रज्ञा सागर ने श्रीक्षेत्र मुनिसुव्रतनाथ समवशरण के अरिहंतकीर्ति भट्टारक नामकरण किया। 48 दिन के बाद कर्नाटक की धरती पर श्रवण बेलगोला में नवीन भट्टारक ने मुख्य मंदिर भगवान चंद्रप्रभु और भण्डार बसदी में 24 तीर्थंकर भगवंतों के दर्शन किए। ङ्घधर्म सभा को सम्बोधित करते हुए अभिनव स्वस्तिश्री चारुकीर्ति पंडिताचार्य पट्टाचार्य महास्वामीजी ने कहा अरिहंत कीर्ति स्वामीजी वर्ष 2018 के मस्तकाभिषेक के समय से बड़े स्वामी जी के पास रहकर भट्टारक की शिक्षा साधना संजीव भैया के रूप में रहकर प्राप्त की। जप तप करते हुए बड़े स्वामी जी के अनुभव को प्राप्त करते रहे हैं। श्रवणबेलगोला क्षेत्र द्वारा स्थापित उत्तर भारत में प्रथम पीठ गुजरात में विराजमान की गई है। जगद्गुरु कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारुकीर्ति पंडिताचार्यवर्य भट्टारक महास्वामी जी ने वर्ष 2023 में अपनी समाधि के पूर्व की श्री अरिहंतकीर्ति स्वामीजी को तमिलनाडु में श्रीक्षेत्र अरिहंतगिरि में स्वस्ति श्री धवलकीर्ति स्वामी जी के सान्निध्य में भेज दिया। इसी बात को ध्यान में रख कर विगत 12 अक्टूबर को कोटा राजस्थान में भट्टारक के संस्कार कर विचार पट्ट प्रमेय सागर जी को अरिहंत गिरि में बाकी की शिक्षा प्राप्त की इसलिए नवीन नाम अरिहंत कीर्ति नामकरण किया गया था।

'समय का दान तीन लोक के दान से बढ़कर है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां साध्वी भव्यगुणाजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि भगवान ने इस सृष्टि का निर्माण किया और मनुष्य को सब कुछ दिया है, लेकिन वह उसका उपयोग सही ढंग से नहीं कर पाता है। यही कारण है कि वह जीवन भर दुखी रहता है। उसके दुख की वजह भौतिक साधनों की कमी नहीं है, बल्कि स्वभाव है। दुख का एक कारण मनुष्य अपने दुखों को पिछले जन्म का दोष देता है। मनुष्य का स्वभाव सत्संग सुनने से सुधर सकता है। मनुष्य सत्संग सिर्फ सुने ही नहीं, बल्कि उसका महत्व समझे।ङ्घसाध्वी शीतलगुणा ने कहा कि आज व्यक्ति भूतकाल की चर्चा में लीन रहता है और भविष्य के सपने देखकर वर्तमान को हाथों से खोता जा रहा है। वह पढ़ा लिखा होकर भी अज्ञानी और नादान है। जो समय के महत्व को नहीं जानता वह धर्म और भगवान के महत्व को भी नहीं जानता है। 100 करोड़ खोने के बाद वापस कमा सकता है परंतु एक पल खोया हुआ 100 करोड़ देकर वापस प्राप्त नहीं कर सकता। एक पल का दान तीन लोक के दान की संपत्ति से बढ़कर है समय को रोक नहीं जा सकता लेकिन सार्थक किया जा सकता है।

समाज को संगठित करना प्रत्येक श्रावक का कर्तव्य : डॉ मुनि पुलकित कुमार

ईस्ट जोन बेंगलूरु में बनेगी नई तेरापंथ सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी 'नचिकेता' एवं मुनिश्री आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में एचएसआर लेआउट में डालमचंद सुराणा के निवास स्थान में बेंगलूरु ईस्ट जोन तेरापंथ श्रावक समाज अर्थात एचएसआर लेआउट, सरजापुर रोड, केआर पुरम, बेलंदूर, मारथहली और व्हाइटफील्ड (एचएसकेबीएमडबल्यू) क्षेत्र वासियों की संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें यह प्रस्ताव पास हुआ कि इस क्षेत्र में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा ईस्ट जोन का निर्माण होना चाहिए। इस अवसर पर संगोष्ठी में उपस्थित श्रावक समाज को संबोधित करते हुए डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा, संगठन में विशेष शक्ति होती है। संगठन से श्रावक समाज को बहुत लाभ होता है, समाज को संगठित करना प्रत्येक श्रावक का कर्तव्य है। तेरापंथ समाज ईस्ट जोन में बिखरे हुए श्रावकों को एकजुट करने के लिए तेरापंथ सभा का निर्माण अति आवश्यक है इससे धर्म आराधना का सामूहिक उत्साह भी बढ़ेगा।

संगोष्ठी में डॉ मीठालाल जैन सुखलेचा को संयोजक का दायित्व दिया गया तथा सहसंयोजक के रूप में डालमचंद सुराणा एवं कार्यकारी सहसंयोजक के रूप में विवेक बरड़िया को नियुक्त किया गया। इस प्रक्रिया में तेरापंथ महासभा कोलकाता में भेजने हेतु ईस्ट जोन तेरापंथ श्रावक समाज के 101 व्यक्तियों ने हस्ताक्षर कर दिए। वरिष्ठ श्रावक डालमचंद ने बताया कि इस क्षेत्र में तेरापंथ सभा एवं तेरापंथ सभा भवन भी जल्दी से जल्द बनाया जाएगा। इसके लिए सभी श्रावकों अच्छा सहयोग मिल रहा है।

सहसंयोजक विवेक बरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा, मुनिश्री का 13 दिवसीय ईस्ट जोन क्षेत्र में प्रवास हम सभी के लिए बहुत ही ऐतिहासिक एवं प्रेरणादाई रहा। अमन बारमेचा ने बताया मुनिश्री ने इस प्रवास में लगभग 200 तेरापंथ परिवारों की सार संभाल की तथा नए 70 परिवारों की खोजबीन हुई। ङ्घमुनिश्री के प्रयास से इस क्षेत्र में चार ज्ञान शालाओं का शुभारंभ होने वाला है।ख्याति जैन ने मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। ऋचा जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनेक कार्यकर्ताओं ने समर्थन व्यक्त किया।

जैन मिशन हॉस्पिटल में दीवान माधवसिंह का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबल्लापुर। चिक्कबल्लापुर के जैन मिशन हॉस्पिटल में सोमवार को सीरवी समाज के धर्म गुरु दीवान माधवसिंहजी कुछ समाज बंधुओं के साथ यहां पहुंचे। उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण किया और मरीजों से वार्तालाप की। हॉस्पिटल के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी ने जानकारी देते हुए कहा कि इस अवसर पर सीरवी समाज चिक्कबल्लापुर के अध्यक्ष बाबूलाल सनपरा, उपाध्यक्ष चेलाराम लचेटा, गंगराम भायल, फाऊलाल और वेणाराम, अमराराम चोयल आदि उपस्थित थे। मिशन हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. नरपत सोलंकी, अध्यक्ष सुरेश जैन, सचिव एम उत्तमचन्द कोठारी, पूर्व अध्यक्ष पारस जैन, एलसी भंडारी, रमेश बम्बोली, हीराचन्द एवं प्रकाश चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

नेतृत्व परिवर्तन पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का अनुपालन करेंगे : सिद्दरामय्या

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को दोहराया कि वह राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का अनुपालन करेंगे। मुख्यमंत्री गत कई दिनों से बार-बार कह रहे हैं कि वह और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर पार्टी आलाकमान के निर्णय का अनुपालन करेंगे।

सिद्दरामय्या के बेटे और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) यतींद्र सिद्दरामय्या ने कहा था कि नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है और उनका मानना है कि सिद्दरामय्या पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इस बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''आलाकमान जो भी फैसला करेगा, उसका पालन करेंगे।'' इससे पहले दिन में यतीन्द्र ने दावा किया था कि कांग्रेस आलाकमान ने कहा है कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा।

यतींद्र ने यहां सुवर्ण विधान सौध में संवाददाताओं से कहा, ''मैं यह कहता रहा हूं, जो नया नहीं है। मुझे लगता है कि फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.